Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 62 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरूवार 08 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

रायपुर साहित्य उत्सव
— आदि से अनादि तक —
23 — 25 जनवरी 2026, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़
सुसरि सम सबके हित होई
रजिस्ट्रेशन के लिए QR कोड स्कैन करें
विज़िट करें:
www.raipursahityautsav.org
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा में लापरवाही : दिल्ली विधानसभा परिसर में घुसा संदिग्ध, पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बड़ी ख़बर सामने आई है। दिल्ली विधानसभा परिसर में एक व्यक्ति ने घुसने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने शख्स को हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान दिल्ली के ही बुद्ध विहार निवासी नवीन डबस के रूप में हुई। नवीन डबस दिल्ली सरकार के अंतर्गत गेस्ट फैकल्टी (टीजीटी इंग्लिश) के रूप में कार्यरत हैं। वह पिछले लगभग 12 वर्षों से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे हैं।
जानकारी के अनुसार व्यक्ति ने सरकारी पहचान पत्र दिखाकर मुख्य प्रवेश द्वार से प्रवेश किया था। पूछताछ में उसने गेस्ट फैकल्टी शिक्षकों से जुड़ी नीतियों में सुधार की मांग बताई। उसके पास से अब तक कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की आपराधिक मंशा सामने नहीं आई। सुरक्षा की दृष्टि से संयुक्त पूछताछ की जा रही है। संदिग्ध ने पुलिस पूछताछ में दिल्ली के मंत्री के बुलावे पर आने का दावा किया है। हालांकि बाद में मंत्री से कोई जान पहचान न होने का खुलासा किया।

वेनेजुएला को लेकर भारत चिंतित है, बातचीत से समाधान होना चाहिए', मादुरो की गिरफ्तारी के बाद बोले जयशंकर

नई दिल्ली। कुछ ही दिन पहले वेनेजुएला पर अमेरिका ने हमला कर दिया था जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। वहीं, अब भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने भी इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है।
भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, कि वेनेजुएला में जो कुछ हुआ भारत उससे काफी चिंतित है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर वक्त लवजमबर्ग के दौरे पर हैं। वहीं, वेनेजुएला पर हमले के बाद ये जयशंकर का पहला बड़ा बयान है। विदेश मंत्री ने कहा, हां, वेनेजुएला की स्थिति पर हम चिंतित हैं। हम सभी पक्षों से बैठकर बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान निकालने की अपील करते हैं। ये वेनेजुएला के लोगों के भी बेहद जरूरी है। वेनेजुएला के साथ हमारे सालों से अच्छे संबंध रहे हैं। तो हम चाहते हैं कि वहां के लोग सुरक्षित रहें। भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने लवजमबर्ग के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद ये बयान दिया। हालांकि, इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने रविवार को ही वेनेजुएला के हालातों पर चिंता जताते हुए सभी पक्षों से शांति स्थापित करने की अपील की थी।
विदेश मंत्रालय ने कहा था कि काराकास स्थित दूतावास वेनेजुएला में रहने वाले सभी भारतीयों के संपर्क में बना हुआ है। साथ ही उन्होंने भारतीयों से कुछ समय के लिए वेनेजुएला की यात्रा न करने की अपील की थी।

पंजाब पुलिस ने आप सरपंच के मर्डर में शामिल आरोपी का किया 'एनकाउंटर, विदेश में बैठे गैंगस्टर दासूवाल का था गुर्गा

तरनतारन । अमृतसर में आप के सरपंच जरनल सिंह की हत्या के मामले में शामिल एक आरोपी गैंगस्टर को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। पुलिस के मुताबिक, कुख्यात गैंगस्टर हरनूर सिंह को तरन तारन जिले में हुई मुठभेड़ के दौरान ढेर किया गया। हरनूर सिंह पर सरपंच हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोप था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तरन तारन सीआईए और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर भीखीविंड इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर जा रहे संदिग्ध हरनूर सिंह को रोकने की कोशिश की गई। डीआईजी खेम दीप शर्मा के अनुसार, पुलिस की मौजूदगी का आभास होते ही आरोपी ने मोटरसाइकिल छोड़ दी।
और भागने की कोशिश करते हुए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें हरनूर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्कूल और कोर्ट कैंपस में कुत्तों की क्या जरूरत; वे बच्चों-बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे

कुत्तों के चलते लोग कब तक परेशानी झेलेंगे-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने पूछा कि कुत्तों के कारण आम लोगों को आखिर कब तक परेशानी झेलनी पड़ेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका आदेश सड़कों के लिए नहीं, बल्कि केवल संस्थागत क्षेत्रों के लिए है।

पीठ ने सवाल उठाया कि स्कूलों, अस्पतालों और अदालत परिसरों के भीतर आवारा कुत्तों की क्या आवश्यकता है और उन्हें वहां से हटाने पर क्या आपत्ति हो सकती है। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी। बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा कि जो कुत्ता काटे उसकी नसबंदी की जा सकती है। इस पर कोर्ट ने कहा, अब तो बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं। इस बीच सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- 'आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं।'

कोर्ट ने कहा कि कुत्तों से दुर्घटनाओं का खतरा भी होता है। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे? सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है, यह आप नहीं जान सकते। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि 2018 में एनिमल बर्थ कंट्रोल को लेकर सख्त निर्देश दिए गए थे। ये ठीक से लागू क्यों नहीं हुए। नियमों के पालन में देरी से जनता को नुकसान नहीं होना चाहिए।

गुरुवार को फिर होगी सुनवाई

मामले की सुनवाई गुरूवार को सुबह 10:30 बजे से दोबारा होगी, क्योंकि बहस अधूरी है।

एडवोकेट सीयू सिंह का सवाल- कुत्तों के काटने से बचे कैसे

सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा कि सवाल यह नहीं है कि डीयू या सुप्रीम कोर्ट कैंपस में कुत्तों की

जरूरत है या नहीं। लेकिन कुत्ते एक सच्चाई हैं। सवाल यह है कि वे इंसानों को नुकसान कैसे न पहुंचाएं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका क्या है।

सीनियर एडवोकेट वेणुगोपाल ने बताया- देश में कुत्तों की आबादी 5 करोड़ से ज्यादा

सीनियर एडवोकेट केके वेणुगोपाल (NALSAR, हैदराबाद के लिए) ने कहा कि इस यूनिवर्सिटी में एक एनिमल लॉ सेंटर है। इसमें एनिमल प्रोटेक्शन में मास्टर्स कोर्स और पीजी डिप्लोमा भी है। एनिमल प्रोटेक्शन के संबंध में इसका हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के साथ रूथ है। हमारी जांच में ऐसे आंकड़े सामने आए हैं जो पहले कोर्ट के सामने नहीं रखे गए थे।

भारत में कुत्तों की आबादी 5 करोड़ 25 लाख है, जरूरी शेल्टर की संख्या (प्रति सुविधा 200 कुत्ते) 77347 है।

प्रति कुत्ते के लिए जरूरी फंक्शनल शेल्टर 40 वर्ग फुट है। एक कुत्ते को खिलाने का रोजाना का खर्च 40 रुपये है। 1.54 करोड़ कुत्तों को खिलाने का खर्च 61 करोड़ 81 लाख रुपए होगा। एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 194,412 स्कूलों में बिजली का कनेक्शन काम नहीं कर रहा है। खराब शौचालय की सुविधा, पीने के पानी की कमी, जब ऐसी खराब सुविधाएं हैं, यह मुमकिन नहीं है कि स्कूल बाड़ लगाने के लिए फंड दे पाएंगे।

आवारा कुत्ते केस में सुप्रीम कोर्ट की अब तक 5 बड़ी टिप्पणियां

जस्टिस मेहता ने कहा- अदालत परिसरों, स्कूलों में कुत्तों की क्या जरूरत है, जहां तक संस्थानों की बात है, वे सड़कें नहीं हैं। अदालत परिसरों, स्कूलों में कुत्तों की क्या जरूरत है?

सुप्रीम कोर्ट में ज़मानत के दो मामलों पर दो दिन में अलग-अलग फैसले कैसे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की पीठ ने सोमवार, 5 जनवरी को दिल्ली दंगों की साज़िश के मामले में अभियुक्त उमर ख़ालिद और शरजील इमाम की ज़मानत याचिका ख़ारिज कर दी.
कोर्ट का कहना था कि सबूतों को प्रथम दृष्टया देखने पर दंगों में दोनों की केंद्रीय भूमिका नज़र आती है. कोर्ट ने कहा कि केवल इस आधार पर ज़मानत नहीं दी जा सकती कि वे पाँच साल से जेल में हैं और उनके ख़िलाफ़मुक़दमा शुरू नहीं हुआ है. हालांकि, 6 जनवरी को एक दूसरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की दूसरी दो जजों की पीठ ने पैसों के घोटाले के मामले में एक अभियुक्त को ज़मानत देते हुए दोहराया कि अगर कोई जाँच एजेंसी या अदालत किसी के ख़िलाफ़मुक़दमा समय पर पूरा नहीं कर पा रही है, तो उन्हें ज़मानत याचिका का विरोध नहीं करना चाहिए. दिल्ली दंगा मामले में कोर्ट ने सोमवार को पाँच अन्य अभियुक्तों को ज़मानत दे दी. कोर्ट ने कहा कि इन पाँचों की भागीदारी स्थानीय स्तर पर थी. कोर्ट ने कहा कि मुक़दमे में देरी के साथ-साथ उसे कुछ अन्य पैमानों पर भी ज़मानत याचिका पर फ़ैसला करना होता है. जैसे, अभियुक्तों के ख़िलाफ़इल्ज़ाम कितने संगीन हैं, अपराध में उनकी कथित भूमिका क्या रही है और उनके ख़िलाफ़सबूत प्रथम दृष्टया कितने मज़बूत हैं. वहीं मंगलवार मामले में कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 21 के तहत हर व्यक्ति का अधिकार है कि उसके ख़िलाफ़मुक़दमा जल्द ख़त्म हो. अनुच्छेद 21 में 'राइट टू लाइफ़' को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है.

सरकार ने चालू वित्त वर्ष के जीडीपी अनुमानों में किया इजाफ़ा, 7.4 प्रतिशत रह सकती है वृद्धि दर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी के अनुमानों को बढ़ा दिया है। अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2025-26 में जीडीपी में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। यह 2024-25 के 6.5 प्रतिशत से अधिक है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़े देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी का स्पष्ट संकेत देते हैं।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमानों के मुताबिक, इस वृद्धि को मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से बल मिलेगा। आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने का अनुमान जताया गया है।

मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में साफ किया है कि सेवा क्षेत्र में जोरदार तेजी वित्त वर्ष 2025-26 में 7.3 प्रतिशत की अनुमानित वास्तविक जीवीए (ग्रॉस वॅल्यू एडेड) वृद्धि दर का एक प्रमुख चालक रही है।

जहां एक तरफउद्योग और सेवा क्षेत्र में तेजी का रुख है, वहीं दूसरी तरफ कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के साथ-साथ 'बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवाओं' में 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के दौरान मध्यम वृद्धि रहने का अनुमान है।

'फर्क समझो सरजी...' : ट्रंप के टैरिफको लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

इंदिरा गांधी का जिक्र किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। राहुल गांधी ने उन पर दबाव के आगे झुकने का आरोप लगाया और उनकी तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व से की।

राहुल गांधी की यह टिप्पणी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के एक दिन बाद आई। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों की बैठक में ट्रंप ने कहा था, प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे मिलने आए थे और उन्होंने कहा- सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं? जी हां।

ट्रंप ने भारत पल लगाए गए भारी टैरिफ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत अभी 'बहुत ज्यादा टैरिफ' चुका रहा है और उसने रूसी तेल की खरीद 'काफी हद तक कम' कर दी है। राहुल गांधी ने इस बयान से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया, जिसका कैप्शन 'फर्क समझो सरजी' था।

'ट्रंप ने इशारा किया, आत्मसमर्पण कर दिया..'

राहुल गांधी ने कहा, मैं अब इन भाजपा-आरएसएस के लोगों को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। थोड़ा सा दबाव डालो, थोड़ा सा धक्का दो और ये डर के मारे भाग जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, जैसे ही ट्रंप ने वहां से इशारा किया, इन्होंने फोन उठा लिया। उन्होंने कहा, 'मोदी जी आप क्या कर रहे हैं?'

नरेंद्र ने सरेंडर (आत्मसमर्पण) कर दिया और 'जी हुजूर' कहते हुए नरेंद्र मोदी जी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया।'

1971 के युद्ध का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि एक समय भारत ने अमेरिका के दबाव के बावजूद मजबूती से अपना रुख बनाए रखा था। उन्होंने कहा, आपको वह समय याद होगा जब केवल फोन कॉल नहीं आया था- सातवां बेड़ा आ गया था। 1971 के युद्ध में सातवां बेड़ा आया, हथियार आए, एक विमानवाहक पोत आया। तब इंदिरा गांधी जी ने कहा था, 'मुझे जो करना है, मैं करूंगी।' यही फर्क है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या कहा था?

डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर कुल 50 फीसदी तक के टैरिफ लगाए हैं। इसमें 25 फीसदी रूस से तेल की खरीद को लेकर लगाया गया है। ट्रंप ने कहा, मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। वो मुझसे बहुत खुश नहीं हैं क्योंकि वे अभी बहुत ज्यादा टैरिफ चुका रहे हैं, क्योंकि वे तेल नहीं ले रहे। अब उन्होंने इसे (खरीदना) काफी हद तक कम कर दिया है।

राजिम त्रिवेणी संगम में आयोजित भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

साहू समाज का सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक उत्थान की मिसाल — मुख्यमंत्री साय

रायपुर(समय दर्शन)। राजिम भक्तिन माता एवं माता कर्मा के बताए संदेश मानव समाज के लिए कल्याणकारी है, हमें उनके संदेशों का अनुसरण करना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजिम के त्रिवेणी संगम में आयोजित भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने भगवान श्री राजीव लोचन एवं भक्त माता राजिम की पूजा अर्चना कर प्रदेश और समाज की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने साहू सृजन पत्रिका का विमोचन किया। साहू समाज द्वारा मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजिम माता भक्ति जयंती की बधाई देते हुए कहा कि साहू समाज समृद्ध और शिक्षित समाज है जो हर दृष्टिकोण से समृद्ध रहा है। साहू समाज का इतिहास भी समृद्ध रहा है। हम सबको दानवीर भामाशाह,बाबा सत्यनारायण जी का आशीर्वाद मिल रहा है। यह समाज निरंतर विकास करें। यही कामना है। जब समाज एक जुट होगा तो केवल समाज ही नहीं प्रदेश और देश भी शक्तिशाली और समृद्ध बनता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज के सामूहिक विवाह को अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा कि राजिम माता ने जिस साहू समाज को अपनी मेहनत और त्याग से संगठित किया, आज वह समाज शिक्षा, कृषि व व्यवसाय सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राजिम माता के आशीर्वाद से हर गारंटी को पूरा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ खनिज, वन, उर्वरा से भरपूर है। अब नक्सलवाद से जवान पूरी ताकत से लड़ रहे हैं। हम सबका संकल्प है कि 31 मार्च तक बस्तर को नक्सल मुक्त कर देंगे। राज्य के विकास में बाधक नक्सलवाद अब खत्मा की ओर है। राज्य को हम सब समृद्धि की दिशा में लेकर जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सिरकट्टी आश्रम में भव्य राम जानकी मंदिर में धर्म ध्वजा की स्थापना की गई।

इस पुण्य अवसर पर हमें शामिल होने का सौभाग्य मिला। जैसे अयोध्या धाम में धर्म ध्वजा स्थापना किए हैं, उसी तर्ज पर यहां कुटेना में भी धर्म ध्वजा स्थापित किया गया है। मेरा सौभाग्य है कि एक साल पहले भी इस अवसर पर शामिल होने का अवसर मिला था।

उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि साहू समाज एक संगठित समाज के रूप में जाना जाता है। आज हम सभी राजिम माता की जयंती मनाने आये हैं। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम के इस पावन धरती से प्रेरणा लेकर जाएंगे और मिलकर समाज के विकास के लिए काम करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि माता राजिम भक्तीन की महिमा का बखान करते हुए कहा कि राजिम त्याग, भूमि तपस्या, साधना और श्रम की भूमि है। भगवान को खिचड़ी खिलाने वाले समाज से हमारा समाज का नाता है। हम अपने पुरखों के योगदान को याद करके समाज को आगे ले जा सकते हैं।

राम रहीम के बाद अब अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने मांगी पैरोल

नई दिल्ली। 1993 मुंबई सीरियल बम धमाकों के मामले में दोषी और नासिक सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने इमरजेंसी पैरोल की मांग की है। सलेम ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ स्थित अपने पैतृक गांव जाने की अनुमति मांगी है। याचिका में सलेम ने बताया कि उनके बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का 14 नवंबर 2025 को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। सलेम के अनुसार, वह अपने भाई को पिता समान मानते थे और अब 40वें दिन की धार्मिक रस्में निभाने, कुरान ख्वानी कराने, कब्रिस्तान में दुआ पढ़ने और शोकाकुल परिवार से मिलने के लिए पैरोल चाहते हैं।

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि भाई की तबीयत गंभीर होने पर सलेम ने जेल प्रशासन से नियमित पैरोल की प्रक्रिया तेज करने का अनुरोध किया था, ताकि वह उनके जीवित रहते मुलाकात कर सकें, लेकिन तब अनुमति नहीं मिल सकी।

एक रात में 7 लोगों को उतारा मौत के घाट; अब तक 17 की गई जान

चाईबासा (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले में जंगली हाथियों के हमले लगातार जानलेवा साबित हो रहे हैं। नोवामुंडी प्रखंड के जेटेया थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबरिया गांव में 6 जनवरी की रात करीब 10 बजे जंगली हाथी के हमले में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी, उनके दो मासूम बच्चे और दूसरे परिवार का एक सदस्य शामिल है। इस हमले में परिवार का एक बच्चा किसी तरह जान बचाने में सफल रहा।

मृतकों की पहचान बाबरिया गांव निवासी सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो बच्चे और दूसरे परिवार के मोगदा लागुरी के रूप में हुई है। बताया गया कि सभी लोग घर में सो रहे थे, तभी हाथी ने अचानक घर पर हमला कर दिया। हाथी का आतंक यहीं तक सीमित नहीं रहा। बड़ा पासीया गांव में हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि लांपाईसाई गांव में भी एक अन्य ग्रामीण को हाथी ने रौंदकर मार डाला। समाचार लिखे जाने तक इन दोनों मृतकों की पहचान नहीं हो सकी थी।

घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। हाथी की निगरानी की जा रही है और प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के साथ सुरक्षा उपाय किए जाने की बात कही जा रही है।

इससे पहले टोंटो प्रखंड के बांडीझारी गांव निवासी 35 वर्षीय मंगल सिंह हेंब्रम की हाथी के हमले में मौके पर ही मौत हो गई थी। उसी रात बिरसिंहहातु गांव के कुचुबासा टोली निवासी 55 वर्षीय उर्दुप बहंदा की भी जान चली गई। वहीं सदर प्रखंड के रोरो गांव निवासी 57 वर्षीय विष्णु सुंडी की भी हाथी के हमले में मौत हो गई। इन घटनाओं में बिरसिंहहातु गांव की मानी कुंटिया और सुखमति बहंदा गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। ये तीनों घटनाएं एक जनवरी की रात की बताई गई हैं। गोइलकेरा थाना क्षेत्र के सायतवा गांव में हाथी ने मंदरू कयोम के 13 वर्षीय पुत्र रेंगा कयोम को कुचलकर मार डाला। वहीं चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के बाईपी गांव निवासी नंदू गागराई की 10 वर्षीय पुत्री ढिंगी गागराई को हाथी ने पटक दिया।

पोषण पुनर्वास केंद्रों से लौट रही बच्चों की मुस्कान, कुपोषण के खिलाफ मुंगेली में प्रभावी पहल

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषण के खिलाफएक सशक्त अभियान के रूप में उभर रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से गंभीर एवं अति गंभीर कुपोषण से पीड़ित बच्चों को न केवल जीवनदान मिल रहा है, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। पोषण पुनर्वास केंद्रों का मुख्य उद्देश्य अति गंभीर कुपोषित बच्चों का वैज्ञानिक पद्धति से उपचार कर मृत्यु दर में कमी लाना, बच्चों को स्वस्थ जीवन की ओर लौटाना तथा माताओं और देखभालकर्ताओं को उचित आहार, स्वच्छता एवं पालन-पोषण के तरीकों के प्रति जागरूक करना है। इन केंद्रों में बच्चों को विशेष पोषण आहार, आवश्यक दवाइयां, प्रोटीन एवं विटामिन युक्त भोजन नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं डीपीएम गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में संचालित जिला चिकित्सालय में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र में अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक 178 बच्चों का सफलतापूर्वक उपचार कर उन्हें सुपोषित किया गया। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोरमी

के पोषण पुनर्वास केंद्र में 125 बच्चों तथा पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 112 बच्चों का उपचार कर उन्हें स्वस्थ किया गया है। राज्य शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 6 माह से 5 वर्ष तक के कुपोषित बच्चों को 15 दिनों तक केंद्र में रखकर समुचित उपचार एवं पोषण दिया जाता है। साथ ही सुपोषण दिवस, अन्नप्राशन दिवस, स्तनपान दिवस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से माताओं को जागरूक कर कुपोषण से बचाव के उपाय बताए जाते हैं।

पोषण पुनर्वास केंद्रों में नियमित रूप से एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य अमला एवं डाइटीशियन द्वारा बच्चों की निगरानी की जाती है। आंगनबाड़ी, आयुष्मान और स्कूल स्तर पर चिन्हित कुपोषित बच्चों को प्रोटोकॉल के अनुसार केंद्रों में भर्ती कर उपचार सुनिश्चित किया जाता है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप आज पोषण पुनर्वास केंद्रों से स्वस्थ होकर लौटते बच्चों के चेहरों पर मुस्कान साफ दिखाई दे रही है, जो जिले में कुपोषण मुक्त समाज की दिशा में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संकेत है।

संक्षिप्त-खबर

भाई ने सगे भाई की हत्या, गीदम पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। आपसी विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या कर दी। घटना 5 जनवरी 2026 की रात करीब 7:30 बजे ग्राम बड़े कारली (कमला पदर) की है। मृतक मंगलू कुंजाम (37 वर्ष) पर उसके छोटे भाई सिंगडू उर्फरवि कुंजाम (25 वर्ष) ने धान कूटने वाली लकड़ी (खोटला) से हमला किया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

विवाद की वजह मोबाइल पर लड़की की फोटो देखना और बातें करना बताया गया। आरोपी ने गुस्से में वार किया। घटना की शिकायत पर थाना गीदम में अपराध क्रमांक 01/2026, धारा 301(1) बीएनएस दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई कर पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध कबूल किया। हत्या में इस्तेमाल लकड़ी जप्त कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से रिमांड पर जेल भेजा गया।

संभागायुक्त एवं आईजी ने जंबूरी स्थल में पहुँचकर व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

बालोद (समय दर्शन)। संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर एवं पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग ने आज जिला मुख्यालय बालोद के समीपस्थ ग्राम दुधली पहुँचकर वहाँ 09 से 13 जनवरी तक आयोजित प्रथम रोवर रेंजर जंबूरी के आयोजन के तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान संभागायुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक ने जंबूरी स्थल में प्रवेश द्वार से लेकर विभिन्न विभागों द्वारा विकास कार्यों पर आधारित लगाए जाने वाले प्रदर्शनी स्थल, लोकल मार्केट स्थल, मुख्य समारोह स्थल (ऐरिना), ग्रीन रूम, युवा संसद तथा युवा संवाद एवं करियर काउंसलिंग हेतु निर्धारित स्थल का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर अधिकारियों ने जंबूरी स्थल के समीप स्थित दुधली जलाशय में वाटर स्पोर्ट्स हेतु निर्धारित स्थल का भी अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस मौके पर संभागायुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक ने मुख्य समारोह स्थल ऐरिना में पहुँचकर मंचीय व्यवस्था के अलावा जंबूरी में शामिल होने वाले रोवर एवं रेंजर के द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियां एवं कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य जनों, आम नागरिकों, मीडिया कर्मियों आदि की बैठक व्यवस्था के संबंध में मौके पर उपस्थित अधिकारियों से जानकारी ली। इसके अलावा उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालोद को कार्यक्रम स्थल की नियमित साफ-सफाई के अलावा शौचालय एवं स्नानागारों की भी साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता को कार्यक्रम स्थल में पेयजल एवं निस्तारी हेतु पानी की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के अलावा पर्याप्त मात्रा में आरओ भी लगाने के निर्देश दिए। इस मौके पर अधिकारियों ने ग्रीन रूम में पहुँचकर वहाँ बनाए गए वीवीआईपी कक्ष आदि सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

ईआरओ द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की साप्ताहिक बैठक सम्पन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रमद्2026 के अंतर्गत जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों 68 साजा, 69 बेमेतरा एवं 70 नवागढ़ में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 06 जनवरी 2026 को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा ली गई, जिसमें अब तक प्राप्त दावा एवं आपत्तियों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के द्वितीय चरण में 23 दिसम्बर 2025 को प्रारंभिक निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया गया था। इसके पश्चात जिले के सभी मतदान केन्द्रों में दावा-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। इस क्रम में जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों से अब तक नाम जोड़ने हेतु कुल 1119 फार्म-6 ऑनलाइन प्राप्त हो चुके हैं। इनमें विधानसभा क्षेत्र 68 साजा से 352, विधानसभा क्षेत्र 69 बेमेतरा से 389 तथा विधानसभा क्षेत्र 70 नवागढ़ से 378 फार्म-6 शामिल हैं।

बैठक के दौरान विधानसभा क्षेत्र 69 बेमेतरा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रकाश भारद्वाज, विधानसभा क्षेत्र 70 नवागढ़ की निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दिव्या पोटाई तथा विधानसभा क्षेत्र 68 साजा की निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हर्षलता वर्मा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति, समय-सीमा, दावा-आपत्ति प्रक्रिया एवं संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अब तक प्राप्त सभी दावा एवं आपत्तियों की सूची राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई।

व्हीबी- जी राम जी पर कांग्रेस के आंदोलन के पूर्व रक्षात्मक मुद्रा में आई भाजपा

बिलासपुर (समय दर्शन)। मनरेगा को बदलकर व्हीबी- जी राम जी का बिल पास होने के बाद कांग्रेस के व्यापक विरोध आंदोलन से भारतीय जनता पार्टी रक्षात्मक मुद्रा में आ गई। 10 जनवरी से कांग्रेस जिले से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक इस योजना की कमियों को बताने जा रही है तो आज 7 जनवरी को ही जिला मुख्यालयों पर भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस द्वारा योजना की विशेषताओं को काम हाईलाइट किया बल्कि कांग्रेस के करने धरने पर ज्यादा अच्छे लगायें। बिलासपुर में नगर विधायक अमर अग्रवाल ने कांग्रेस पार्टी को क्षेत्रीय पार्टी कहा उन्होंने कहा कि जो पार्टी विकसित भारत के खिलाफहै वह क्षेत्रीय से भी नीचे चली जाएगी। जब विकसित भारत बनाने का समय उन्हें जनता ने दिया तो उन्होंने भारत को एक परिवार का बना दिया। जब से प्रधानमंत्री पद पर मोदी जी आए हैं विकसित भारत का सपना पूरा हो रहा है यह योजना भी इस भारत के अनुरूप है।

व्हीबी- जी राम जी के बचाव में हुई इस पत्रकार वार्ता में सबसे हटके जो दिखा हुआ यह था कि पूरी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की है पर पंचायती राज, जिला पंचायत अध्यक्ष या उपाध्यक्ष पत्रकार वार्ता में नहीं थे। जिले के ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से कोई भी भाजपा विधायक यहां नहीं था कुछ दिन पूर्व नगर निगम के एक लोकार्पण कार्यक्रम से फुटी गुटबाजी का प्रभाव अब बढ़ता जा रहा है और देखने वाले भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी को बढ़ा चढ़ा कर देख रहे हैं। पर कुछ ना कुछ अंदर ऐसा चल रहा है जिसका धुआं अब बाहर दिखाई देता है क्योंकि जहां-जहां आग लगती है धूंआ वहीं से उठता है और जहां-जहां से दुआ दिखाई देता है आज भी वही लगी रहती है।

लगातार बढ़ रही अग्नि दुर्घटना हम क्यों नहीं लेते सीख

बिलासपुर (समय दर्शन)। मोपका के सब स्टेशन अग्निकांड ने स्मार्ट सिटी के अग्निशमन व्यवस्था की फिर से पोल पट्टी खोल दी। आपातकालीन सेवा जिसे अग्निशमन कहा जाता है के लिए नगर सेना उत्तरदाई है अर्थात फायर सेफ्टी का पूरा काम होमगार्ड के अधीन है। शहर में कहीं भी अग्नि दुर्घटना होती है तो उसे बुझाने का काम इन्हें ही करना है। जिस तरह ऑटोमोबाइल उद्योग में गति पर जितना पैसा खर्च किया जाएगा उतना ही पैसा ब्रेक प्रणाली पर भी होगा पर शहर नियोजन के संदर्भ में यह सिद्धांत राज्य सरकार भूल जाती है। अधोसंरचना विकास, नगर निर्माण, बहु मंजिला भवन, उद्योगों की स्थापना सबके

लिए बजट है पर नगरी निकाय की बजट में अग्निशमन सेवाओं पर बहुत कम पैसा रखा जाता है। जब फायर सेफ्टी नगर निगम के अधीन थी तब पंप हाउस में ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां खड़ी करने की व्यवस्था थी।

होमगार्ड को यह काम मिला तब भी फायर ब्रिगेड के लिए अलग से जमीन आवंटन नहीं हुई। विद्युत मंडल संवेदनशील स्थान है जहां से अग्नि दुर्घटना की संभावनाएं सर्वाधिक है।

ताप विद्युत गृह में इसी कारण उनकी अपनी फायर सेफ्टी व्यवस्था है और वे अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने के लिए फायर सेफ्टी पर पर्याप्त ध्यान भी देते हैं यही कारण है कि जब कभी कहीं बाहर अग्नि दुर्घटना होती है तो एनटीपीसी सीपत, और जांजगीर से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आ जाती है।

मोपका की दुर्घटना 6 जनवरी के पूर्व पिछले 10 दिनों में बिलासपुर के आसपास तीन बड़ी अग्नि दुर्घटना हुई पर हम सीख नहीं लेने वाले लोग हैं। संवेदनशील स्थानों पर अग्नि से बचने के परंपरागत तरीके और आधुनिक तरीके हम एकत्र नहीं करते उलट हमने दुर्घटना को बढ़ाने वाले तरीके एकत्र कर लिए हैं। विद्युत मंडल मोपका में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी कि बिजली कट जाने पर वहां के ट्यूबवेल वैकल्पिक ऊर्जा से चलाए जा सके। ले लिहाजा ऐसी तकनीकों पर ध्यान देना चाहिए। केवल ड्रिल करने से कुछ नहीं होने वाला।

धान उपार्जन में अनियमितता बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर

मुंगेली(समय दर्शन)। धान उपार्जन केंद्र नवागांव (ची.) में स्टेट स्तर से प्राप्त अलर्ट के आधार पर की गई जांच में गंभीर अनियमितता सामने आई है। अलर्ट के माध्यम से यह सूचना मिली थी कि जारी डीओ के अनुसार खरीदी केंद्र प्रभारी द्वारा मिलर को कम धान भेजा गया है तथा उपार्जन केंद्र में अतिरिक्त धान रखा गया है, जिसे अन्य किसानों के नाम पर खपाने का प्रयास किया जा सकता है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर राजस्व, सहकारिता एवं खाद्य विभाग के जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा उपार्जन केंद्र का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान उपार्जन केंद्र नवागांव में 234 बोरी अतिरिक्त धान पाया गया, जो ऑनलाइन दर्शित मात्रा से अधिक था।

उक्त मामले में सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा खरीदी प्रभारी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 02 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। किंतु दोनों द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण समाधानकारक नहीं पाए गए। जिस पर खरीदी प्रभारी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध सेवा से पृथक करने हेतु आवश्यक कार्रवाई के संबंध में भी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस प्रकरण के बाद कलेक्टर ने जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों के खरीदी प्रभारियों एवं मिलर्स की बैठक लेकर स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि किसी भी उपार्जन केंद्र में यदि अनियमितता, शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने का प्रयास या नियमों की अवहेलना पाई जाती है, तो संबंधितों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या गड़बड़ी किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं होगी।

धमतरी : श्वेत क्रांति का उभरता मॉडल जिला

धमतरी (समय दर्शन)। धमतरी जिला आज छत्तीसगढ़ में श्वेत क्रांति के नए केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। जिला प्रशासन की दूरदर्शी पहल, पशुपालकों की सक्रिय भागीदारी और मजबूत सहकारी ढांचे के चलते जिले में दुग्ध उत्पादन एवं संकलन में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह परिवर्तन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण स्तर और रोजगार सृजन को नई दिशा दे रहा है। बीते दो महीनों में जिले का दैनिक दुग्ध संकलन 6,410 लीटर से बढ़कर 10,000 लीटर प्रतिदिन से अधिक हो गया है। जिला प्रशासन ने इसे 15,000 लीटर प्रतिदिन तक पहुँचाने का स्पष्ट लक्ष्य तय किया है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के नेतृत्व में तैयार की गई व्यवस्थित कार्ययोजना ने दुग्ध व्यवसाय को पारंपरिक गतिविधि से आगे बढ़ाकर आधुनिक, संगठित और लाभकारी उद्यम का स्वरूप दिया है।

जिले में दुग्ध उत्पादन की संभावनाओं को साकार करने के लिए अधिक से अधिक पशुपालकों को दुग्ध उत्पादक-संग्राहक सहकारी समितियों से जोड़ा जा रहा है। दो माह पूर्व जहाँ केवल 47 समितियाँ सक्रिय थीं, वहीं आज यह संख्या बढ़कर 68 दुग्ध सहकारी समितियों तक पहुँच गई है।

समितियों से धान उठाव, रिसायकलिंग एवं मिलिंग में अनियमितता बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर डॉ संजय

भारतीय खाद्य निगम में नियमित चावल जमा करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़(समय दर्शन)। खरीफविवरण वर्ष 2025 -26 के अंतर्गत समितियों से धान का उठाव व मिलिंग कार्य पारदर्शिता के साथ सुव्यवस्थित रूप से एवं शासन के निर्देशों के अनुरूप संपादित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के समस्त राईस मिलरों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे, सहकारिता सहायक आयुक्त व्यासनारायण साहू, मार्कफेड अधिकारी शीतल भोई सहित लगभग 40 राइस मिलर्स उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने मिलरों को बिना रुके धान से भरे वाहन को समिति से सीधा राइस मिल ले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है जिसमें अच्छे कार्य वाले राइस मिलर्स को 26 जनवरी में सम्मान और गलत करने वाले पर कार्यवाही किया जाएगा।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने कहा कि जिले में धान मिलिंग कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता स्वीकार्य नहीं होगी। धान को किसी भी स्थिति में मिल परिसर पर संग्रहीत करके रखा जाए। सभी राइस मिलरों को तत्काल प्रभाव से मिलिंग कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

डॉ कन्नौजे ने कहा कि - वाहन की एंट्री केवल वैध गेट पास जारी होने के बाद ही ली जाए। सर्वर में किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या आने की स्थिति में वाहन को रवाना नहीं किया जाएगा । धान परिवहन के दौरान यदि वाहन का टायर पंचर होता है अथवा वाहन में कोई तकनीकी खराबी आती है तो उसकी फोटो सहित सूचना तत्काल केंद्र को अनिवार्य रूप से देना होगा। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से संबंधित सभी प्रक्रियाएं पूर्णतया ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से संचालित की जा रही है। अत: सभी संबंधित एजेंसियां एवं राइस मिलर्स गंभीरता, जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ कार्य करें।

सरिया में जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

सारंगढ़ सरिया टारजन महेश (समय दर्शन)। जिला भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष वैजन्ती लहरे का सरिया मण्डल में प्रथम आगमन हुआ,जिस पर महिला मोर्चा एवं भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

इस दौरान वैजन्ती लहरे ने संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा करते हुए कहा कि माताओं-बहनों की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण हेतु छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2026 को महतारी गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है।

उन्होंने उपस्थित महिलाओं से संगठन के लिए प्रतिबद्ध होकर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाएं।

वहीं जिला भाजपा के उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार ने इस परिचयात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं को समर्पित भाजपा सरकार कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं की प्रगति,उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि देश में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से तो प्रदेश में महतारी वंदन योजना से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। कार्यक्रम को भाजपा नेत्री आकांक्षा बेहरा एवं रजनी चौहान ने भी सम्बोधित किया और बूथ स्तर पर पार्टी में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जोड़ने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री महेश बारिक व पूर्व महामंत्री राधामोहन पाणिग्राही ने किया तो आभार प्रदर्शन मण्डल भाजपा अध्यक्ष प्रदीप सतपथी ने किया। स्वागत समारोह में पूर्व मण्डल भाजपा अध्यक्ष दशरथ साहू,पूर्व महामंत्री चूड़ामणि पटेल, महामंत्री नारायण प्रधान,मीना चौहान,रजनी प्रधान,संजुक्ता साहू,वेदमती पटेल,सुदेष्णा कर्ष,मालती चौहान,सुकांती प्रधान,पुष्पा पटेल,सुनीता प्रधान,पुष्पलता पटेल, पार्वती चौहान,कल्पना प्रधान,रेवती पटेल,संगीता साहू,कुन्तला यादव,मेनका चौहान, सुरेश पटेल,प्रदीप पटेल की उपस्थिति रही।

गुरू गोविंद सिंह जी 359 वीं प्रकाश पर्व पर बसना में विशाल नगर कीर्तन

बसना (समय दर्शन)। सिख धर्म के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक धन-धन श्री गुरु गोविंद सिंह जी के 359 वें प्रकाश पूरब के पावन अवसर की खुशी में सिख समाज बसना द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प्रकाश पूरब बड़ी श्रद्धा भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया । श्री गुरुद्वारा साहिब बसना में लगातार 7 दिन तक प्रात: 5:00 बजे श्री गुरुद्वारा साहिब बसना से प्रभात फेरी बसना नगर का भ्रमण करते हुए श्री गुरुद्वारा साहिब बसना में वापस पहुंचती रही। जिसमें सिख धर्म के माताओं बहनों श्रद्धालुओं द्वारा गुरू वाणी का गायन करते नगर में प्रभातफेरी के माध्यम से गुरुओं के त्याग बलिदान और उनके अमृत वाणियों से जागरूकता फैलाने का शुभ कार्य किया ।

सिख समाज बसना की तरफसे 3 जनवरी को श्री निशान साहब जी के चोले की सेवा की गई एवं साथ ही श्री अखंड पाठ साहिब प्रकाश पूरब की खुशी में रखा गया ।

जिसकी समाप्ति 5 जनवरी सुबह श्री गुरुद्वारा साहिब बसना में हुई । इस दौरान 5 जनवरी दोपहर श्री गुरुद्वारा साहिब बसना में प्रकाश पूरब की खुशी में विशेष दीवान का आयोजन किया गया एवं शब्द गायन समाप्ति, प्रसाद गुरु का लंगर आयोजित किया गया था।

इसी तरह 6 जनवरी को श्री गुरुद्वारा साहिब बसना में दोपहर को विशेष दीवान सजाया गया। जिसका समापन पश्चात गुरु का अटूट अलंकार सजाया गया।

शाम 4:00 बजे श्री गुरुद्वारा साहिब बसना से धन-धन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की सर परस्ती पांच प्यारों की अगुवाई एवं नानक नाम लेवा संगत की हाजिरी में विशाल नगर कीर्तन छत्तीसगढ़ की विभिन्न सांस्कृतिक करमा ,हुआ,पंथी नृत्य के साथ चौक चौराहों में हैरत अंग्रेज करतब दिखाते अखाड़ा दल के साथ

श्री गुरु नानक धर्मशाला बसना से प्रारंभ हुआ जो नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए गायत्री मंदिर, राम-जानकी मंदिर थाना चौक,शहिद वीर नारायण सिंह चौक होकर श्री गुरुद्वारा साहिब बसना में समापन हुआ।

नगर कीर्तन में मुख्य रूप से राजनंदगांव से आई श्री पालकी साहब जो की ठंडा बुर्ज ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब की आकृति में धन-धनश्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को विराजमान किया गया था। साथ ही धन-धन बाबा दीप सिंह जी सेवादल रायपुर के वीरों द्वारा शब्द गायन की प्रस्तुति की गई। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की सत्कार मे सबसे आगे पानी से धोकर मार्ग को साफकर बुहारने पश्चात फूलों की वर्षा हो रही थी।

श्री निशान साहब जो कि सिख धर्म का प्रतीक है के साथ पंज प्यारे बहुत ही सुंदर पालकी साहिब में से गुरु ग्रंथ साहिब जी दर्शनार्थ विराजमान थे ।

उसके पीछे नानक नाम लेवा संगत गुरबाणी का गायन करते हुए पूरे नगर में भ्रमण करते हुए समापन श्री गुरुद्वारा साहिब बसना में हुआ।

इस नगर कीर्तन में आकर्षण का मुख्य केंद्र श्री दरबार साहिब अमृतसर की तरह सुंदर पालकी साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का श्री सुखासन साहिब जी की सेवा संपूर्ण की गई, जिसे लेकर पूरे नगर में इस आयोजन की बहुत प्रशंसा हो रही है । नगर कीर्तन का स्वागत अग्रवाल समाज, बंजारा समाज,श्री राम जानकी मंदिर समिति, मुस्लिम समाज ,सतनामी समाज बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल, मानिकपुरी समाज, एहसान दानी, गुरबख्श बजाज,सिंधी समाज ,सरदार सायकल एवं आटो परिवार के अलावा सिख समाज के लोगों ने जगह-जगह धन-धन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी पांच प्यारों एवं नगर कीर्तन का सुंदर ढंग से स्वागत सत्कार किया गया।

बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने की

पंचायत-ग्रामीण विकास विभाग के बजट निर्माण को लेकर डिप्टी सीएम ने ली बैठक

रायपुर। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य शासन द्वारा प्रस्तावित तीसरे बजट की तैयारियों के तहत मंगलवार को मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के बजट निर्माण संबंधी एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने की।

इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत पंचायत संचालनालय, ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा इकाइयों द्वारा प्रस्तुत बजट मांग प्रस्तावों पर क्रमवार चर्चा करते हुए उनकी उपयोगिता और प्राथमिकताओं की गहन समीक्षा की गई।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए बजट प्रावधान व्यवहारिक एवं प्रभावी होने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण अधोसंरचना के विस्तार, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजन, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता, आवास निर्माण, स्वच्छता अभियानों तथा आजीविका से जुड़ी योजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन सुनिश्चित किए जाएँ।

उन्होंने वीबी जी राम जी अधिनियम के तहत विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रस्ताव निर्माण एवं क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने हेतु अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने नवीन योजना प्रारम्भ कर आवास योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने अच्छा कार्य करने वाली महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं एवं लखपति दीदियों को सम्मानित करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि विभागीय बजट केवल व्यय तक सीमित न होकर ठोस परिणाम देने वाला होना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक आधारित समाधान, क्षमता संवर्धन और डिजिटल सेवाओं के माध्यम से पंचायत व्यवस्था को अधिक सक्षम एवं पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने प्रत्येक योजना के साथ स्पष्ट लक्ष्य, अपेक्षित उपलब्धियाँ और लागत एवं लाभ का आकलन अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय और समयबद्ध कार्ययोजना पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का बजट गांवों में आत्मनिर्भरता, बुनियादी सुविधाओं की मजबूती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, सचिव भीम सिंह, पंचायत संचालक श्रीमती प्रियंका महोबिया, संचालक तारण प्रकाश सिन्हा, संचालक अश्विनी देवांगन सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक धड़कन, जिसने जिंदगी बदल दी

रायपुर। गांव में मितानिन ने एक दिन कहा था, आपके बच्चे की धड़कन बाकी बच्चों से तेज है, यह वाक्य आज भी श्रीमती रजनी यादव के कानों में गूंजता है। वे बोलते-बोलते रो पड़ती हैं, हमने कभी ध्यान ही नहीं दिया। अब लगता है, क्यों नहीं दिया!

गोगांव, रायपुर की रहने वाली श्रीमती रजनी यादव का तीसरा बेटा अरमान, अपने दोनों बड़े भाइयों और दोस्तों के साथ हंसता-खेलता बड़ा हो रहा था। कभी पिट्ठुल खेलता, कभी दौड़ लगाता, सब कुछ सामान्य लगता था। बस बार-बार होने वाला सर्दी-बुखार माता-पिता को थोड़ा परेशान जरूर करता था, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि उस मासूम सी हंसी के पीछे एक गंभीर खतरा छिपा है।

फिर 13 दिसंबर 2025 का दिन आया। सरोरा स्थित शासकीय स्कूल में, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार पहुँची चिरायु टीम ने जब बच्चों की जांच शुरू की, तो अरमान की बारी पर डॉक्टर ठिठक गए। उसके हृदय की धड़कन सामान्य नहीं थी। यही वह पल था, जिसने एक परिवार की ज़िंदगी की दिशा बदल दी।

टीम अरमान को तत्काल सत्य साईं नारायण अस्पताल, नया रायपुर लेकर गई। विस्तृत जांच हुई और रिपोर्ट ने माता-पिता के पैरों तले ज़मीन खिसका दी। अरमान के दिल में 18 मिमी का छेद था। डॉक्टरों ने बिना देर किए कहा, ऑपरेशन जरूरी है।

ईंट-भट्ठे में काम करने वाले पिता रंगनाथ यादव और मां रजनी के सामने सवालों का पहाड़ खड़ा था — पैसे का इंतजाम कैसे होगा? बच्चा का स्वास्थ्य, उसका भविष्य कैसा होगा?

लेकिन उस घड़ी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। चिरायु टीम की सलाह पर भरोसा किया और अपने बेटे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

ज़िला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट 'धड़कन' के अंतर्गत 28 दिसंबर 2025 को विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में अरमान का जटिल हृदय ऑपरेशन पूरी तरह नि:शुल्क सफलतापूर्वक किया गया।

लगातार निगरानी और देखभाल के बाद कुछ ही दिनों में वह डिस्चार्ज होकर घर वापिस आ गया। आज जब अरमान पिट्ठुल खेलता है, दोस्तों के पीछे भागता है, तो यह विश्वास करना मुश्किल हो जाता है कि सिर्फ एक हफ्ते पहले वह अस्पताल में एक जटिल सर्जरी प्रक्रिया से गुजर रहा था।

चिरायु टीम द्वारा लगातार फॉलो-अप किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार अरमान की सेहत में उल्लेखनीय सुधार है और वह पूरी तरह स्वस्थ है। उसके चेहरे की मुस्कान आज सिर्फ उसके परिवार की नहीं, पूरे मोहल्ले की खुशी बन गई है।

ई-ऑफिस के तहत ऑनलाइन फाइल निराकरण के निर्देश

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

रायपुर। कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में जिले के सभी विभागों के अधिकारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि 01 जनवरी 2026 से ई-ऑफिस की शुरुआत हो चुकी है, अत: सभी विभाग शीघ्र ऑनबोर्ड होते हुए फाइलों का निराकरण अनिवार्य रूप से ऑनलाइन माध्यम से करें। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-ऑफिस प्रणाली का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने सभी विभागों को ई-अटेंडेंस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने के भी निर्देश दिए और इसका अनिवार्य रूप से पालन करने को कहा। उन्होंने अवैध उत्खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसी शिकायत प्राप्त होने पर राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा तत्काल और कड़ी कार्रवाई की जाए।

इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को अवैध कब्जों के विरुद्ध अभियान चलाने तथा शहर में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जनहित से जुड़े कार्यों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निराकरण करना है।

इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन तथा डीएफओ लोकनाथ पटेल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वन मंत्री ने पुसपाल में 11 करोड़ 18 लाख रूपए के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज कोंडागांव जिले के मर्दापाल तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पुसपाल मे 11 करोड़ 18 लाख 21 हजार रुपये लागत के 10 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। यह सभी कार्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। कश्यप ने शिक्षा विभाग द्वारा स्कूली विद्यार्थियों को सरस्वती साइकिल योजना के तहत 85 विद्यार्थियों को साइकिल वितरण किया। मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, साथ ही आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बस्तर पंडूम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन आदिवासी कला, संस्कृति और परंपराओं को पुनर्जीवित रखने का सशक्त माध्यम है। हमारी परंपराएं बचेंगी तो हमारी पहचान और प्रकृति भी सुरक्षित रहेगी, उन्होंने बस्तर पंडूम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी की अपील भी की। मंत्री कश्यप ने इस अवसर पर निर्वाचन विभाग द्वारा संचालित एसआईआर के द्वितीय चरण की जानकारी देते हुए कहा कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि कोई भी व्यक्ति मतदाता सूची से छूटने न पाए।

10 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन- ग्राम पंचायत पुसपाल में स्टॉप डेम निर्माण के लिए 249.94 लाख रुपये, ग्राम खड़पड़ी में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के लिए 34.00 लाख रुपये, वहीं मर्दापाल मुख्य मार्ग से आदावल तक 5.50 किमी डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य के लिए 305.38 लाख रुपये के कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार पोहार से चेराकुड़ तक 6 किमी डामरीकरण सड़क निर्माण के लिए 264.34 लाख रुपये, ग्राम रेंगागोंदी में नाले पर स्टॉप डेम सह पुलिया निर्माण के लिए 249.55 लाख रुपए की लागत वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन और राज्य कैम्पा वन विभाग अंतर्गत कोरमेल, जोंडेंगा, कोंगेरा, तोडेम एवं मड़गांव ग्राम पंचायतों में देव वनों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु 05 देवगुड़ी निर्माण के लिए प्रत्येक कार्य हेतु 3.00 लाख रुपए स्वीकृत कार्य शामिल है।

संस्थागत स्वच्छता को मिलेगा नया आयाम, युवाओं के लिए सृजित होंगे रोजगार के अवसर

आदिम जाति मंत्री नेताम ने किया जर्नी ऑफसेनीटेशन हाईजिन का किया शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन में आदिम जाति विकास, विकास विभाग के मंत्री एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खड़गवां जनपद ग्राउंड से राज्य की पहली अभिनव पहल जर्नी ऑफसेनीटेशन हाईजिन (जोश) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संस्थागत शौचालयों की नियमित, वैज्ञानिक एवं सुरक्षित सफाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर औपचारिक शुरुआत की गई। छत्तीसगढ़ में इस अभिनव पहल से संस्थागत स्वच्छता को नया आयाम मिलेगा वहीं युवाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित होंगे।

'जोश' पहल स्वच्छता, स्वास्थ्य और रोजगार-तीनों को एक सशक्त सूत्र में जोड़ती है। इसके अंतर्गत स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा अन्य संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों की नियमित सफाई हेतु स्थानीय युवाओं को 'स्वच्छता प्रहरी' के रूप में कार्य का अवसर प्रदान किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता केवल स्वास्थ्य की आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम भी है। 'जोश' पहल के माध्यम से युवा स्वच्छता प्रहरी बनकर समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनेंगे। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के दिशा-निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में इस पहल की रूपरेखा तैयार की गई है। प्रारंभिक चरण में प्रत्येक जनपद में एक स्वच्छता प्रहरी के माध्यम से कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना की सफलता के आधार पर इसे पूरे जिले में विस्तारित किया जाएगा।

स्वच्छता प्रहरी की भूमिका- 'जोश' के अंतर्गत स्वच्छता प्रहरी निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेंगे तथा आधुनिक उपकरणों की सहायता से संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों की पाक्षिक एवं मासिक सफाई सुनिश्चित करेंगे। इससे शौचालयों की उपयोगिता बढ़ेगी और स्वच्छता स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा।

स्वच्छता एवं सुरक्षा किट का वितरण- कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता प्रहरियों को आधुनिक सफाई उपकरणों से युक्त स्वच्छता किट एवं आवश्यक सुरक्षा सामग्री प्रदान की गई, जिससे वे सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

स्वच्छता शुल्क व्यवस्था- संस्था प्रभारी के अनुरोध पर शौचालय की सफाई उपरांत प्रति यूनिट 200 रूपए स्वच्छता शुल्क स्वच्छता प्रहरी को प्रदान किया जाएगा, जिससे युवाओं को अतिरिक्त आय का अवसर प्राप्त होगा।

प्रारंभिक चयन- प्रारंभिक चरण में जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ से बेलबहरा निवासी प्रतिम कुमार, जनपद पंचायत खड़गवां से पोंडीडीह निवासी राजेश कुमार सहित भरतपुर जनपद से कुल तीन युवाओं को 'जोश' पहल के अंतर्गत कार्य हेतु स्वेच्छा से चिन्हांकित किया गया है।

अंतर-विभागीय अनुबंध- 'जोश Journey of Sanitation HygieneÓ के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जनपद पंचायतों के साथ अंतर-विभागीय अनुबंध किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ : शासकीय कर्मचारी बच्चों संग साझा कर रहे हैं खुशियाँ

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित ÷प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है - खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं। इसी क्रम में आज प्रधान पाठक श्रीमती पूर्णिमा साहू ने शासकीय स्कूल देवरभट्ठा, शिक्षक ईश्वर कुमार साहू ने शासकीय मीडिल स्कूल चपरीद आरंग, स्टाफनर्स सुश्री वीना वर्मा ने आंगनबाड़ी केंद्र कुशालपुर, लेक्चरर खेलावन जोशी ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल टेकारी अभनपुर ने जन्मदिन के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फ्ल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

मार्कफेड द्वारा एफआरके टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता - कांग्रेस का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने मार्कफेड द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए जारी फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) टेंडर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे निरस्त करने की मांग की है । इस संबंध में प्रदेश के खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल और मार्कफेड के प्रबंध संचालक श्री जितेंद्र शुक्ला को एक ज्ञापन भेजकर नई, पारदर्शी एवं व्यावहारिक शर्तों के साथ टेंडर जारी करने का आग्रह किया गया है ।

उक्तशय का बयान जारी करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि छोटे और माध्यम स्थानीय उद्योगों को दरकिनार करने का प्रयास किया जा रहा है । ज्ञापन में बताया गया कि 26 दिसंबर को जारी नए कैलेंडर और टेंडर की शर्तों में अचानक किए गए बदलावों के कारण छत्तीसगढ़ के लगभग 80 प्रतिशत स्थानीय एफआरके प्लांट दौड़ से बाहर हो गए हैं । शर्तों को इस तरह तैयार किया गया है जिससे केवल 20 प्रतिशत स्थानीय मिलर्स और बाहरी राज्यों के बड़े मिलर्स को ही लाभ मिल सके । यह कदम न केवल स्थानीय उद्यमियों के हितों के खिलाफ है, बल्कि छत्तीसगढ़ भंडार क्रय अधिनियम का भी खुला उल्लंघन है । टेंडर की शर्तों में किए गए व्यापक परिवर्तन के लिए कम से कम 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया जाना था जो नहीं दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (एफआरके) पर संकट के बादल छाएंगे । कन्हैया अग्रवाल ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय प्लांटों को टेंडर प्रक्रिया से बाहर रखा गया, तो राज्य में एफआरके की आपूर्ति बाधित होगी। एफआरके की कमी के कारण राइस मिलर्स सरकार को PDS के लिए चावल उपलब्ध नहीं करा पाएंगे, जिससे प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली पूरी तरह प्रभावित हो सकती है ,साथ हीराजस्व को 200 करोड़ की हानि की आशंका भी है ।

एयरपोर्ट से रोजगार उद्योग तथा विकास को मिलेंगे नये पंख

रायपुर। बिलासपुर के हवाई संपर्क को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद श्री तोखन साहू का 'मिशन एयरपोर्ट' अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। उनके निरंतर पत्राचार और व्यक्तिगत प्रयासों के परिणामस्वरूप, बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 290.80 एकड़ भूमि का आवंटन और ?50.60 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी गई है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं: 4-ष्ट श्रेणी में उन्नयन: बड़े कमर्शियल विमानों के संचालन का रास्ता साफ

नाइट लैंडिंग: फरवरी-मार्च से रात में भी विमानों का आवागमन प्रस्तावित।

बुनियादी ढांचा: रनवे विस्तार और नए टर्मिनल भवन को सैद्धांतिक मंजूरी।

श्री तोखन साहू ने जताया आभार- इस बड़ी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का परिणाम है:

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार: सेना के आधिपत्य वाली जमीन को राज्य शासन को हस्तांतरित करने में उनके त्वरित सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का आभार: राज्य सरकार की ओर से राशि जारी करने और प्रशासनिक अड़चनों को दूर करने के लिए उनकी तत्परता की सराहना की।

नागर विमानन मंत्री श्री राम मोहन नायडू जी का आभार: बिलासपुर की मांग को प्राथमिकता देने और 4-ष्ट श्रेणी की मंजूरी के लिए उनका विशेष धन्यवाद किया। विकास का नया अध्याय: श्री साहू ने विश्वास जताया कि एयरपोर्ट के विस्तार से बिलासपुर संभाग में निवेश, पर्यटन और रोजगार के अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे, जिससे पूरे छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

एमआईसी की बैठक 8 को

रायपुर। महापौर मीनल चौबे के आदेशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक रायपुर नगर पालिक निगम के सचिवालय द्वारा दिनांक 8 जनवरी 2026 गुरुवार को अपरान्ह 1 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष के कक्ष क्रमांक 405 में आहुत की गयी है. उक्त जानकारी रायपुर नगर पालिक निगम की सचिव श्रीमती संगीता साहू ने दी है।

नदी-नाले पार कर बचाया गया भविष्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से साकार होता नजर आ रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला प्रशासन की सतर्कता और संवेदनशीलता के चलते दुर्गम एवं पहुँचविहीन क्षेत्र में नदी-नाले पार कर 12 वर्षीय बालिका का बाल विवाह समय रहते रोका गया। इस त्वरित कार्रवाई से न केवल एक मासूम का भविष्य सुरक्षित हुआ, बल्कि समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध सशक्त संदेश भी गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 जनवरी 2026 को प्रशासन को सूचना मिली कि सुकमा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रामाराम के सुदूर गांव नाड़ीगुफा में एक नाबालिक बालिका का विवाह किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के मार्गदर्शन में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन तथा विभागीय अमले की संयुक्त टीम गठित की गई।

संपादकीय

माली मुश्किलों का आईना

प्रधानमंत्री के साथ अर्थशास्त्रियों की बजट पूर्व बैठक में अर्थव्यवस्था की मुश्किलें खुल कर सामने आईं। अर्थशास्त्रियों ने ब्याज चुकाने की बढ़ी देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश से आई दिक्कतों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री के साथ बजट पूर्व बैठक में उपस्थित अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था में पैदा हुई मुश्किलों का उल्लेख किया। उन्होंने ब्याज (और ऋण का मूलधन भी) चुकाने की बढ़ती देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश के कारण निजी निवेश के सामने आई दिक्कतों का जिक्र किया। कहा कि पूंजीगत निवेश के लिए सरकार अधिक ऋण लेती है, तो निजी निवेशकों के लिए कर्ज महंगा हो जाता है। यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। इस क्रम में सरकार पर कर्ज संबंधी देनदारी बढ़ती है। हाल यह है कि केंद्रीय बजट का एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा ऋण एवं ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा है। बहरहाल, अर्थशास्त्रियों की बात मान कर सरकार पूंजीगत निवेश घटा दे, तो मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर को बनाए रखना फिलहाल कठिन हो जाएगा। निजी निवेश सिर्फ इसलिए नहीं कमजोर पड़ा है कि ऋण महंगा है। बल्कि बाजार में मांग ना होने के कारण निजी क्षेत्र अपनी मौजूदा क्षमता का भी उपयोग नहीं कर पा रहा, तो वह नया निवेश कहां करेगा? खुद अर्थशास्त्रियों ने उल्लेख किया कि घरेलू बचत गिरते हुए जीडीपी के लगभग सात प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। उन्होंने इसकी चर्चा विदेशी पूंजी निवेश को लेकर बढ़े अनिश्चय के संदर्भ में की। कहा कि इस बीच घरेलू बचत भी इतना घट गया है कि वह चालू खाते के दो फीसदी घाटे को पाटने में भी सक्षम नहीं है। मगर घरेलू बचत गिरने का एक दूसरा पहलू भी है। यह संकेत है कि आम परिवारों का बजट दबाव में है। ऐसे में उपभोग एवं मांग में कैसे बढ़ोतरी होगी? यह नहीं हुआ, तो निजी निवेश की स्थितियां कैसे बनेंगी? तो कुल संकेत यह है कि अर्थव्यवस्था एक दुश्चक्र में फंस गई है। इसके बीच सरकार के लिए के लिए पूंजी निवेश घटाना एक जोखिम भरा कदम होगा। सामान्य स्थितियों में अर्थशास्त्रियों की ऋण एवं राजकोषीय घाटे के बीच संतुलन बनाने की सलाह उचित मानी जाती, मगर सवाल है कि मौजूदा हाल में क्या इस पर अमल करना व्यावहारिक होगा? वैसे सरकार ने इस चर्चा से क्या ग्रहण किया, यह तो अगले बजट से ही पता चलेगा।

2026 में ढोल ही ढोल!

हरिशंकर व्यास

साल 2026 की उम्मीदों में दुनिया के दूसरे देशों में जैसा सोचा जा रहा है वैसे हमें न सोचना चाहिए, न लिखना चाहिए। आखिर हमारी अलग ही हस्ती है। सो, व्यर्थ है यह सवाल कि छब्बीस में भारत की सेहत, सांस क्या बेहतर होगी? इतना जरूर है कि मौजूदा मोदी राज जिन चार पायों पर टिका है वे और मजबूत होंगे। मतलब मोदी राज में- भीड़, ढोल, रेवड़ी तथा आंकड़ों में विकासमान उछाला गारंटीशुदा है। 2026 के अंत में भीड़ का आकार बढ़ा हुआ होगा। भीड़ को रेवड़ियों से नचाने के नए कार्यक्रम बने हुए होंगे। आंकड़े और हवा-हवाई बने मिलेंगे। कहावत जो है थोथा चना बाजे घना। मतलब दिसंबर 2026 में जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका सबको पछाडता भारत विश्वगुरूता के बाद अपने को ब्रह्माण्ड का नेता घोषित करे तो आश्चर्य नहीं होगा। अब यदि 2026 में इतना भौकाल हुआ तो स्वाभाविक जो नरेंद्र मोदी-अमित शाह के चुनाव जीतने के रिकॉर्ड में कमी नहीं होगी। चुनाव जीतेंगे और देशा गाएगा- बहारों फूल बरसाओ, भारत विकसित हुआ है!

दूसरे देश 2026 के सिनेरियो, उम्मीदों में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, उड़ती हुई कारों से लेकर भू राजनीति अर्थात अमेरिका, चीन, वैश्विक व्यवस्था, जलवायु संकट, व्यापार-पूंजी, विज्ञान-तकनीक के बदलते आयामें में दिमाग खपाए हुए है वही भारत का नया साल घुसपैठियों, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या से प्रारंभ है। तभी मेरा मानना है 2026 का पूरा साल घुसपैठियों के ढ़ोल के शोर में गुजरेगा। बंगाल में विधानसभा चुनाव है और घुसपैठियों, हिंदुओं की हत्या का रोना धोना हिंदू-मुस्लिम राजनीति का रामबाण नुस्खा है तो उत्तर प्रदेश के अगले चुनाव की भूमिका के लिए भी ढोल का यही सुर वर्ष 2026 की भारत पहचान बनेगा।

2026 में मोदी सरकार के बारह साल पूरे होंगे। गौर करें 2024 में लोकसभा के अल्पमत वाले नतीजों, मोदी सरकार के चंद्रबाबू के टेके के बाद से ढोल की गूंज कितनी और कैसे बढी है? भीड़ को वास्तविकताओं से ओझल रखने की राजनीति में पैसा बांटना, रेवड़ियों, आंकड़ों ने नई ऊंचाईयां पाई हैं। ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक मोड़ था। दुनिया ने जब पाकिस्तान का ढोल सुना तो उस नैरेटिव की छाया से अपनी भीड़ को बचाए रखने के लिए मोदी सरकार ने तरह-तरह से अपनी पीठ थपथपाई और बिहार भी जीत लिया!

यों मोदी सरकार अब वक्त गुजरते जाने, घटते जीवन की चिंता में बेचैन है। बारह साल होने को है भला आगे और कितने साल? तभी अमिट सत्ता की मैसेजिंग में महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार के चुनावों में न केवल सरकारी खजाना, पैसा लुटाया बल्कि चुनाव प्रक्रिया को भी संदिग्ध बना डाला। प्रदेशों के चुनाव से ही सरकार ऑक्सीजन पाए हुए है। और तय मानें 2026 में भी राज्यों के चुनावों में ताकत झोंकी जाएगी। बंगाल, असम. केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी के पांच राज्यों में असम, बंगाल में भाजपा घुसपैठियों, हिंदू बनाम मुस्लिम फॉर्मूले पर ही चुनाव लड़ेगी। यों भी बांग्लादेश में हिंदू विरोधी माहौल से असम-बंगाल दोनों जगह धुव्रीकरण बनना है।

तभी 2026 खतरनाक भी हो सकता है। पहले बांग्लादेश में चुनाव है। चुनाव में उनकी जीत होगी जो भारत विरोध की मशाल जलाए कट्टरपंथी है। सो, मुमकिन है कि घुसपैठियों के शोर के अनुपात में ढाका-इस्लामाबाद का गठजोड़ पके। सामरिक गठजोड़ बने। आतंकी घटनाएं हों। इसलिए अमेरिकी थिंकटैंक के इस आकलन में दम है कि 2026 में भारत-पाकिस्तान में फिर ठन सकती है। जनरल मुनीर की मनोदशा में अपने आपको प्रामाणिक तुरर्म खां साबित करने की ललक है। उन्हें भारत का अंदरूनी शोर चीन, रूस, अमेरिका, बांग्लादेश सबसे नए गठजोड़ से 2026 में अवसर मुहैया हो सकता है।

विकास को मुंह चिढ़ाती दूषित जल से होने वाली मौतें

योगेंद्र योगी

केंद्र सरकार की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद देश में दूषित पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएं विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं। देश में स्वच्छता में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित पानी से पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब सौ लोग बीमार हो गए। यह तस्वीर बताती है कि देश में पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान अभी कोसो दूर है। सरकारें आंकड़ों के जरिए बेशक कितनी ही उपलब्धि का दावा कर लें किन्तु जमीनी हकीकत कुछ अलग है। जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120 वें स्थान पर है और देश के लगभग 70 प्रतिशत जल स्त्रोत प्रदूषित हैं।

इंदौर में जो हुआ उसने ये शक पैदा कर दिया है कि देश में कहीं भी ऐसी 'जहरीली मौत' की सप्लाई हो सकती है। ऐसा तब होता है जब सारे नियम और मानक भुला दिए जाते हैं। भारत में सप्लाई वॉटर की गुणवत्ता और पाइपलाइनों के रखरखाव को लेकर मानक तय हैं। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स सप्लाई वाले पानी के केमिकल, फिजिकल और बायोलॉजिकल पैरामीटर्स तय करता है। गाइडलाइंस कहती हैं कि उपभोक्ता के नल तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है। फिर वो सरकारी हो या प्राइवेट। गाइडलाइंस के मुताबिक पाइपलाइनों को 30 से 50 वर्ष के अंदर बदला जाना जरूरी है। अगर बार-बार लीकेज की शिकायत आती है तो बिना देरी किए पाइप बदला जाना चाहिए। इन गाइडलाइंस का कितना पालन होता है इंदौर की घटना के बाद इस पर सवाल उठ रहे हैं। जिस पर सफाई भी दी जा रही है।

जुलाई 2022 में गंदे पानी से जुड़े आंकड़े लैंसेट स्टडी में बताया गया कि भारत में करीब 1.95 लाख बस्तियों में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। जिसकी वजह से साल 2019 में 23 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। शहर ही नहीं गांवों में भी साफ पानी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। गंदे पानी में बैक्टीरिया, वायरस, टॉक्सिन्स और हेवी मेटल्स जैसे खतरनाक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। अशुद्ध पानी पीने से हैजा, पीलिया, पेचिश, गले की बीमारी, टायफाइड जैसी बीमारियां हो सकती हैं। भारत में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40त्न है। दूषित पानी की समस्या से सबसे ज्यादा दिल्ली और एनसीआर प्रभावित है। यहां की आबादी बढ़ने के साथ साफ पानी की मांग बढ़ गई है, लेकिन गंदे पानी की आपूर्ति कई लोगों की सेहत को खराब कर रही है। भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। देश के कई राज्य इस समय पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु देश के ऐसे टॉप तीन राज्य हैं, जहां के अधिकतर जिलों में पानी का संकट छाया हुआ है। मौजूद आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 38 जिलों के लोग पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। इनमें से कई जिले ऐसे हैं, जिन्हें अति-दोहित, गंभीर और 'अर्ध-गंभीर श्रेणी में रखा गया। इसके बाद राजस्थान में 29 और तमिलनाडु में 22 जिले हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा मूल्यांकित भारत के गतिशील भूजल संसाधनों का राष्ट्रीय संकलन 2024 की रिपोर्ट के अनुसार देश भर के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 जिलों को 'अति-दोहित', 22 जिलों को 'गंभीर' और 69 जिलों को 'अर्ध-गंभीर' श्रेणी में रखा गया है। हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में 16 अति-दोहित जिले हैं। पंजाब में 19 अति-दोहित और 1 गंभीर जिला है।

नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। जल संसाधन मंत्रालय के एकीकृत जल संसाधन विकास के लिये राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, उच्च उपयोग परिदृश्य में वर्ष 2050 तक जल की आवश्यकता 1,180 अरब घन मीटर होने की संभावना है। देश में जल की उपलब्धता वर्तमान में 1,137 अरब घन मीटर है। वर्ष 2030 तक देश की 40 प्रतिशत आबादी को पीने योग्य स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एक व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं के लिये प्रतिदिन 135 लीटर जल की आवश्यकता होती है जबकि सिर्फ भारत के कुछ बड़े शहरों जैसे- मुंबई, दिल्ली इत्यादि में शहरी विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद प्रति दिन प्रति व्यक्ति को 150 लीटर से अधिक जल दिया जाता है। भारत प्रति व्यक्ति जल की खपत के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। यहाँ प्रति व्यक्ति प्रति दिन जल की खपत लगभग 250 लीटर है। इसका प्रमुख कारण जल की बर्बादी तथा औद्योगिक खपत है। बढ़ती जनसंख्या एवं नगरीकरण देश में बढ़ते जल संकट का एक प्रमुख कारण है। वर्ष 2001 में प्रतिव्यक्ति जल की उपलब्धता 1816 घन मीटर थी जो कि वर्ष 2011 में घटकर 1545 घन मीटर हो गई और वर्ष 2031 तक इसके घटकर 1367 घन मीटर होने की संभावना है। जल-गहन फसलों की कृषि- देश की कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 54 प्रतिशत भाग पर जल-गहन फसलों जैसे- चावल, गेहूँ, गन्ना, कपास इत्यादि की कृषि की जाती है।

भारत में सिंचाई के लिए भूजल का 65त्न और पीने के पानी के लिए 85त्न हिस्सा है। इस पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भूजल स्तर में भारी गिरावट आई है, खासकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे राज्यों में। सीमित जल संसाधनों के आवंटन को लेकर संघर्षों को भी जन्म देता है। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को पार्क की जल आवश्यकताओं और स्थानीय किसानों की सिंचाई मांगों के बीच बार-बार होने वाले संघर्षों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह महाराष्ट्र की ऊपरी गोदावरी परियोजना में पानी के असमान वितरण को लेकर विवाद उत्पन्न होते हैं। जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन और सरकार की अपर्याप्त भागीदारी इन तनावों को और बढ़ा देती है। जनसंख्या वृद्धि से पानी के लिए प्रतिस्पर्धा तेज हो जाती है। सवाल यही है कि देश की तमाम उपलब्धियों के सरकारी आंकड़ों के बावजूद आम लोगों को जब तक बुनियादी सुविधाएं मुहैया नहीं होंगी तब तक ये उपलब्धियां बेमानी साबित होंगी।

राजतंत्र के फ़र्ज़ी जनतंत्र का मुख-श्रृंगार

पंकज शर्मा

मुद्दआ तो यह है कि सब जानते हैं कि मुद्दआ क्या है, मगर सब यह पूछने से पिंड छुड़ाते भाग रहे हैं कि मुद्दआ क्या है? जब तक हम सवालों का सामना नहीं करते, तब तक हर 365 दिनों बाद एक नया बरस आएगा, हर 365 दिनों बाद एक पुराना बरस जाएगा और हम अपने रेंगने की स्वाभाविक रफ़्तार को लंबी कूद का कीर्तिमान समझ कर निज़ाम-ए-हुकूमत के कनॉटप्लेस में फुदकते रहेंगे। 2026 आ गया। 2025 चला गया। एक दिन 2026 भी चला जाएगा। यह आना-जाना लगा रहता है, लगा रहेगा। सो, क्या तो 2026 के आने से सुर्ख़रू होने का अहसास करना और क्या तो 2025 के जाने से अफ़सुर्दगी महसूस करना! मुझे तो दरअसल 2025 की विदाई से सुकून का ही बोध हुआ। जैसा कि हर बरस की अलविदाई पर होता है। नए साल के आगमन पर भी मेरा रोम-रोम रोमांचित नहीं हुआ। जैसा कि हर बरस भी नहीं होता है। अपनी तरुणाई के दिनों में भी मैं ने कभी कूद-फांद कर नए साल की अगवानी नहीं की। मेरी तो आज तक समझ में ही नहीं आया कि जो दिन अपने आप गुज़रे जा रहे हैं, उन की सालाना पायदान को लोग इतने मय-मस्त हो कर बलैयां लेने का अवसर मानते क्यों हैं? किसी भी गुज़रे साल की बेहतरी में अपने योगदान का ईमानदारी से आकलन करने वाले ज़्यादातर लोग क्या यह सोच कर भीतर-ही-भीतर शर्मसार नहीं होते होंगे कि उन की भूमिका या तो नकारात्मक रही या वे तटस्थ बने रहने का अपराध करते रहे? किसी भी नवागत साल के मौक़े पर खुद को तरह-तरह के संकल्पों से लैस करने करने वालों में से अधिकतर लोग क्या बाद में अपने इस क्षणिक पराक्रम से निगाहें चुरा कर नहीं घूमते होंगे? नववर्ष पर सोशल मीडिया मंचों से ले कर अपने-अपने शहरों-कस्बों के कनॉटप्लेसों पर कमर मटकाने वालों में से कितने ऐसे होते होंगे, जो बाक़ी के 364 दिन हमारे समाज, संस्कृति और सियासत का गुलाबीपन बढ़ाने के लिए कुछ सार्थक करते हैं? सच्चाई यह है कि हम ढकोसलों के पुजारी थे, हम आडंबरों के उपासक हैं और हम भविष्य में भी पाखंडों के अर्चक बने रहने का अभिशाप ले कर जन्मे हैं। हमारी समूची उत्सवधर्मिता और हमारे सारे तीज-त्योहार जब कभी निर्मल-पावन भाव से पगे रहे होंगे, रहे होंगे; आज वे ढोंग और दोहरेपन पर आधारित हैं और अपने-अपने प्रभुत्व के प्रदर्शन का माध्यम हैं। अब हमारा रोयां-रोयां इसी नकलीपन से सराबोर है। हम अपनी कृत्रिमता पर लाज से नहीं, गर्व से भरा महसूस करने लगे हैं। हम अपने खोखलेपन का ज़श्न मनाने लगे हैं। हम फलों की दुकान पर छिलके सजे होने को अपनी उपलब्धियों में शुमार करने लगे हैं। ऐसा करते वक़्त हम बेहयाई की सीमा पार करने लगे हैं। हम अपनी फ़र्ज़ी जम्हूरियत पर इतराए घूम रहे हैं। हम जानबूझ कर जनतंत्र की हक़ीक़त का कूड़ा-करकट गलीचे के नीचे बुहारे बैठे हैं। हम इस असलियत का सामना करने से घबराते हैं कि हमारे कथित जनतंत्र के बरामदे को राजतंत्र का एक मज़बूत परकोटा घेरे हुए है। जनतंत्र में इस राजतंत्र की उपस्थिति से नावाकिफ़ रहना हमें सुविधाजनक लगता है। चूंकि यह स्वीकार्य हमें इस पाप-बोध से भर सकता है कि अगर हम यह जानते हैं तो इस का प्रतिकार करने के लिए क्या कर रहे हैं, इसलिए हम अनभिज्ञ होने का पाखंड रच रहे हैं। लोकतंत्र आख़िर है क्या? सच सिर्फ़ इतना है कि राजतंत्र में एक राजा होता है और लोकतंत्र में राजपाट का हिस्सा-बांट सत्तासीन राजा के साथ कुछ विपक्षी राजाओं के बीच भी हो जाता है? अगर मुल्क़ की अधिकृत कमान संभाल रहे हुक़्मरानों की राज-व्यवस्था दरबार-अधारित है तो क्या विपक्षी टीले दरबार-विहीन हैं? नहीं। उन का दरबार है तो इन के भी दरबार हैं। जब दरबार हैं तो सब के अपने-अपने दरबारी हैं। दरबारी हैं तो उन में आपसी होड़ है, आपसी दौड़ है। हर दरबार का राजा इस दौड़-होड़ का मंद-मंद मुस्कान के साथ आनंद ले रहा है। वह आश्वस्त है कि राजा का बेटा राजा बनेगा। वह मुतमईन है कि राजा की बेटी रानी बनेगी। बाक़ी सब को होड़-दौड़ के ढेंकुल झूले पर बिठाए रखो। साल बीतते जाएंगे, मगर निज़ाम सामंती परंपरा से ही चलेंगे। रग-रग में बैठा सामंती भाव ही तो हमारे दिखावटी लोकतंत्र का रक्तबीज है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में है।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया।

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है।

वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है। वैश्विक स्तर पर तेल उत्पादकों की जो सूची है, उसमें वेनेजुएला 21वें स्थान पर है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उत्पादन के लिए वेनेजुएला के पास बुनियादी ढांचे की बेहद कमी है। इसके साथ ही मादुरो की सत्ता के चलते यहां लगातार अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसकी वजह से वह उत्पादन नहीं कर पा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंध के पहले तक भारत वेनेजुएला का दूसरे नंबर का तेल आयातक था। भारत की अमेरिकी कार्रवाई को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया की एक बड़ी वजह भारतीय तेल कंपनियों का फंसा यहां पैसा है। कच्चे तेल के उत्पादन के लिए भारतीय तेल कंपनियों ने यहां निवेश कर रखा है। भारत के करीब नौ हजार करोड़ रूपए यहां फंसे हैं। उम्मीद की जा रही है कि बदली परिस्थितियों में भारत को यह रकम मिल सकती है या फिर तेल का आयात बढ़ सकता है। बहरहाल अमेरिका में भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे ट्रंप की कोशिश अपने परिवार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाना है।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक सवाल यह भी उठाया है कि क्या संयुक्त राष्ट्रसंघ की अब भी जरूरत है। इस कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्रसंघ को ट्रंप के अमेरिका ने एक बार फिर अंगूठा दिखाया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ और उसके महासचिव की एक मात्र भूमिका बयान देने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की रस्म तक सिमटी नजर आ रही है। अब दुनिया को सोचना होगा कि क्या ताकतवर ही दुनिया को चलाएंगे। क्या दुनिया में कमजोर राष्ट्रों, उनकी संप्रभुता और उनकी स्वतंत्रता का महत्व नहीं रहेगा। दिलचस्प यह है कि अमेरिका खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ मानता है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने लोकतंत्र की वह दुहाई देता रहता है। बेशक अंदरूनी स्तर पर उसके यहां लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन उसका मजबूत लोकतंत्र दुनिया में तानाशाही का माध्यम भी है, इसे भी दुनिया को देखना और समझना होगा। अमेरिकी कार्रवाई ने एक बार परमाणु अस्त्रों की प्रासंगिकता को भी साबित किया है। सवाल यह है कि यदि वेनेजुएला भी छोटा ही सही,परमाणु ताकत होता तो क्या अमेरिकी सेना वहां ऐसी कार्रवाई कर पाती? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। परमाणु निरस्त्रीकरण के समर्थकों को इस विषय में सोचना होगा। अमेरिकी कार्रवाई से स्पष्ट है कि आज परमाणु हथियार संबंधित राष्ट्र की शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। यूक्रेन इसका उदाहरण है। अगर उसके पास भी परमाणु ताकत होती तो रूस शायद ही उसके खिलाफ कार्रवाई करने की हिमाकत दिखा पाता? अमेरिकी कार्रवाई के बाद दुनिया का एक वर्ग मानने लगा है कि ट्रंप के अगले निशाने पर उत्तरी कोरिया के तानाशाह किम जोंग हैं। लेकिन यह सोचने वालों को नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियार से संपन्न है। उस पर हाथ डालने से अमेरिकी हाथ जलने का अंदेशा ज्यादा है। वैसे भी अमेरिका ने जहां भी कार्रवाई की है, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर जगहों पर उसे देर से ही सही, मुंह की खानी पड़ी है। अफगानिस्तान, वियतनाम आदि इसके उदाहरण हैं।

रसोई में उल्टे न रखें ये बर्तन

वास्तु शास्त्र में घर में हर वस्तु को रखने के लिए कुछ नियम बताए गए हैं। उसी तरह रसोई घर में बर्तन रखने के भी कुछ वास्तु नियम बताए गए हैं जिनका ध्यान रखना जाना जरूरी है। अक्सर हम रसोई में कई बर्तनों को उल्टा करके रख देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ बर्तनों को उल्टा रखने से वास्तु दोष लग सकता है। जिसके कारण व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लग सकता है वास्तु दोष

तवे का उपयोग रोटी बनाने के लिए होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, तवे को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में वास्तु दोष लग सकता है, जिस कारण कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

इससे बढ़ती है नकारात्मकता

सब्जी बनाने या किसी भी चीज को तलने के लिए कढ़ाई का उपयोग होता है। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि कड़ाई को भी उल्टा करके नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

साथ ही वास्तु शास्त्र में यह भी बताया गया है कि तवे और कढ़ाई का इस्तेमाल करने के बाद इन्हें कभी भी गंदा नहीं छोड़ना चाहिए, बल्कि इस्तेमाल के बाद इन्हें तुरंत धोकर साफ करके रखना चाहिए।

इस दिशा में रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार पीतल, तांबे, स्टील के बर्तनों को हमेशा रसोई की पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। यदि आप अपने घर में इस वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं तो कई तरह की परेशानियों से बच सकते हैं।

कुछ लोगों की लाइफ में मुसीबतें ही मुसीबतें होती है। अगर वो किसी तरह से एक मुसीबत से उबरते हैं तो कुछ और समस्या उनके आगे खड़ी हो जाती है। ऐसे में उनके मन में एक ही सवाल आता है कि आखिर हर बार उन्हीं के साथ गलत क्यों होता है। बाकी सबकी लाइफ कैसे इतनी आसान है। अगर आपको अपनी लाइफ आसान और सरल तरीके से बितानी है,तो इन 5 चीजों को हमेशा कंट्रोल करके रखें...

लाइफ में इन 5 चीजों को करें कंट्रोल

पैसा :- पैसे के खर्च पर नियंत्रण आपको काफी सारी मुसीबतों से बचा सकता है। चाहे कितने भी पैसे कमाएं,लेकिन कुछ पैसा बुरे वक्त के लिए जरूरी बचाकर रखना चाहिए। जिससे कि लाइफ में ज्यादा मुश्किलों का सामना ना करना पड़े।

दिमाग :- कामयाब जिंदगी के लिए सेहत भी जरूरी है। अच्छी सेहत के साथ ही इंसान आगे बढ़ सकता है। अगर आप अवसाद, स्ट्रेस और तनाव में रहेंगे में जीवन में सफलता मिलना मुश्किल है। इसलिए अपने दिमाग पर अपना पूरी तरह से कंट्रोल रखें। अगर दिमाग गलत जगहों पर भटकता है,तो पढ़ाई और काम पर पूरी तरह से फोकस नहीं कर सकता इंसान। इसलिए सक्सेजफुल लाइफ के लिए माइंड पर कंट्रोल पूरी तरह से जरूरी है।

शिष्टाचार :- अपने से बड़ों का आदर और छोटों को प्यार ये शिष्टाचार है। इसके अलावा हर किसी को सम्मान देना अच्छे मैनर में गिना जाता है। आपके गुड मैनर लाइफ में आगे बढ़ने और सक्सेजफुल बनने की सीढ़ी के पड़ाव हैं। जिन पर पूरी तरह से कंट्रोल बेहद जरूरी होता है।

मुंह से बोले गए शब्दः- कहा गया है 'धनुष से छूटा तीर और मुंह से निकले शब्द वापस नहीं लौटते'। इसलिए हमेशा अपने शब्दों पर ध्यान दें और उन पर कंट्रोल रखें। दूसरों को बोले गए गलत शब्द आपकी सफलता में रुकावट पैदा कर सकते हैं। इसलिए हमेशा अपने माउथ पर कंट्रोल बेहद जरूरी होता है।

मनोदशा :- आपकी मनोदशा सफलता तय करने में अहम रोल निभाती है। इसलिए मनोदशा को हमेशा सही रखने की कोशिश करें। जिससे कि नई चीजें सीखने और आगे बढ़ने में मदद मिल सके। सही मनोदशा लाइफ का जरूरी मंत्र है। इन पांच चीजों को जब आप अपने कंट्रोल में रखते हैं, तो लाइफ में सक्सेज पाने और आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

हेयर हेल्थ टिप्स

पोषण और नमी की कमी रूखे, बेजान और उलझे बालों की वजह बनती है। त्वचा की तरह बालों का हाइड्रेटेड होना जरूरी है। बालों के बेजान होने की कई वजह हैं जैसे केमिकल युक्त कलर का इस्तेमाल करना, ब्लो ड्राई या स्ट्रेटनिंग करने से भी बाल बेजान या खराब हो सकते हैं। इसके अलावा लगातार डीहाइड्रेशन होने के कारण भी बाल रूखे, बेजान और उलझने लगते हैं। हालांकि, नर्म और मुलायम बनाने के लिए कई तरीकों को अपना सकते हैं। यहां बता रहे हैं हेयर हेल्थ इम्प्रूव करने के लिए आपको किन 5 आदतों को बदलना चाहिए।

हेयर हेल्थ बेहतर बनाने के लिए 5 आदतें

- हेयर हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए अपने बालों को गर्म पानी से धोना बंद करें। क्योंकि ऐसा करने पर बालों से प्राकृतिक तेल निकल जाएगा और नमी खोकर रूखापन आ जाएगा। अपने बालों को ठंडे पानी से धोने की कोशिश करें।
- अगर आप कई महीनों से एक ही शैम्पू यूज कर रहे हैं तो अपना शैम्पू बदलें। इससे बालों के स्वास्थ्य में बड़ा सुधार हो सकता है। ऐसे शैंपू को यूज करें जो सल्फेट्स, पैराबेंस, सिलिकॉन्स फ्री हो।
- अपने बालों को रोज ना धोएं। इससे प्राकृतिक तेल खत्म हो सकता है। आप बीच-बीच में अंतराल के साथ हफ्ते में 2-3 बार बाल धोएं। यह आपके स्कैल्प और बालों के लिए बहुत अच्छा है और साथ ही बालों के नुकसान को भी कम करता है।
- हेयर वॉश के बाद हाइड्रेटेड रखने के लिए हमेशा हेयर मास्क और कंडीशनर का इस्तेमाल करें। कंडीशनर सबसे जरूरी है,ताकि बालों को हाइड्रेटेड रखा जा सके।
- गीले बालों में कंघी करने से बचें। दरअसल गीले बाल बहुत कमजोर हो जाते हैं, इसलिए इस समय कंघी करने पर बाल टूट सकते हैं। कोशिश करें की बाल सूखने पर ही स्टाइलिंग करें।

मॉर्निंग डिप्रेशन से बचने के उपाय

डिप्रेशन एक ऐसी समस्या है,जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को खराब कर सकती है। इन दिनों अधिकतर लोग सुबह के समय स्ट्रेस महसूस करते हैं या फिर बहुत ज्यादा चिड़चिड़ा महसूस करते हैं। ये मॉर्निंग सिकनेस के लक्षण हो सकते हैं। अगर आपकों रोजाना सुबह ऐसा महसूस हो रहा है तो समझ लें कि आप इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। ऐसा कई वजहों से होता है, जिसमें एक कारण यह भी है कि जब स्ट्रेस हार्मोन यानी कोर्टिसोल के बढ़ने से सुबह डिप्रेशन महसूस हो सकता है। इसके आलावा अगर कोई व्यक्ति रात में सही से सो नहीं रहा है, तो भी ये समस्या होती है। अगर मॉर्निंग डिप्रेशन की समस्या महसूस हो तो इससे निपटने के लिए आपको अपनी आदतों में बदलाव करना होगा।

1) ज्यादातर लोग सुबह उठते ही अपना मोबाइल चेक करते हैं और फिर घंटों उसी में बिता देते हैं। जबकि सुबह के समय ब्रीदगि एक्सरसाइज करें। इससे शरीर और दिमाग को ऑक्सीजन मिलता है और तनाव कम होता है। इससे आपको एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद मिलती है।

2) फिजिकल हेल्थ के साथ ही मेंटल हेल्थ के लिए वॉक जरूरी है। सुबह उठकर वॉक पर जरूर जाएं। ऐसा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रोजाना 25 से 30 मनिट एक्सरसाइज करें। इससे शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रलिज होते हैं जो मूड बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

3) धूप में कुछ देर के लिए निकलाना काफी जरूरी होता है। कुछ लोगों का पूरा दिन एक कमरे में निकल जाता है। जिसकी वजह से डिप्रेशन के लक्षण बढ़ सकते हैं। ऐसे में रोजाना सूरज की रोशनी में कुछ देर के लिए जाएं इससे हैप्पी हार्मोन को बढ़ावा मिलता है। सुबह के समय आप सूरज की रोशनी में बैठने जरूर जाएं।

4) कई बार मन की बात सुनने वाला साथ में कोई नहीं होता। जिसकी वजह से लोग बात को मन में रखते हैं और अंदर-अंदर घुटते रहते हैं। ऐसे में अच्छा होगा की मन की बातों को आप एक डायरी में लिखना शुरू कर दें। इससे आपको बेहतर महसूस होगा।

बच्चों को सिखाएं ब्रश करने का सही तरीका

अक्सर पेरेंट्स बच्चों की ओरल हाइजीन को इग्नोर कर देते हैं। जिसकी वजह से अक्सर उनके दांत खराब होने लगते हैं। ऐसे में बच्चों के मुंह की सफाई का खास ख्याल पेरेंट्स को रखना चाहिए। यहां हम बता रहे हैं बच्चे को ब्रश करवाने का सही तरीका और उनके लिए सही टूथ ब्रश कैसे चुनें।

सुबह जगते ही ब्रश करवाएं: 6 महीने की उम्र से ही बच्चों के दांत निकलने लगते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को हाइजीन का खास ख्याल रखना चाहिए। बच्चे को दिन में दो बार ब्रश करवाएं। बच्चे के मुंह में जोर से रगड़कर साफ करने की बजाए हल्के हाथों से ब्रश को घुमाएं। शुरुआत में बच्चे को रोज एक ही जगह पर बिठाकर ब्रश करवाएं। उन्हें सुबह जगते ही ब्रश करवाएं। इसी के साथ रात में खाना खाने के बाद भी बच्चे को ब्रश जरूर करवाएं। इससे दातों में सड़न की समस्या नहीं होगी।

बच्चे के लिए कैसे चुनें टूथब्रश: बच्चों के लिए ब्रश खरीदते समय आपको कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए। जैसे बच्चों का टूथब्रश सॉफ्ट और नर्म होना चाहिए। बच्चों को रोजाना ब्रश करवाना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में एक ऐसा ब्रश चुनें जो कलरफुल हो जो बच्चों को अट्रैक्ट करे। अगर ब्रश आकर्षित होगा तो इससे बच्चों का ब्रश करने का मन होगा। कई बार पेरेंट्स बच्चों को साल भर तक एक ही ब्रश का इस्तेमाल सालभर के लिए करते हैं। ऐसे में आपको इस बात का ध्यान रखना होगा की बच्चों का ब्रश 3 महीने के बाद बदलना चाहिए।

एक सच्चे जीवन साथी की भूमिका निभाएं

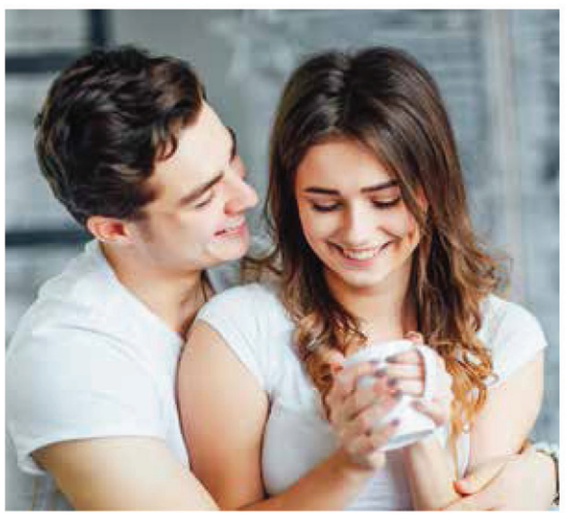

क्या आप अपने पति के व्यवहार को हमेशा नोटिस करती हैं। क्या वह छोटी बातों पर चिढ़ा रहे हैं, क्या उन्हें बच्चों के लिए समय नहीं मिल रहा है? थका हुआ रहता है, चेहरे से चमक गायब है। यदि आपके पति में भी ये सब चीजें दिखाई दे रही हैं, तो आपको इसके बारे में ध्यानपूर्वक सोचना चाहिए। क्या उन्हें ऑफिस और घरेलू कामों का बोझ है? खुद को अकेला महसूस करते हैं, क्या वे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से टूट गए हैं? अगर हां, तो आपको उनकी मदद करने चाहिए और एक सच्चे जीवन साथी की भूमिका निभानी चाहिए।

काम में साथ देना

तनाव रिश्तों में एक बड़ा अंतर बना देता है। यदि आपके पति तनाव में हैं, तो कारण को निकालें। वह ऑफिस और घर के अत्यधिक काम से परेशान हो सकता है। उन्हें यह चिंता हो सकती है कि उन्हें इस सब के लिए समय नहीं मिल रहा है। ऑफिस के काम में मदद करना संभावना नहीं है, लेकिन आप घरेलू काम में मदद कर सकती हैं। जैसी कि बच्चों की फिस जमा करने से लेकर बैंक के काम करने, बिजली और पानी के बिल चुकाना। घर का सामान लाना।

खुलकर करें बातें

यह भी समझने का प्रयास करें कि क्या उनका व्यवहार अचानक बदल गया है या पहले से ही ऐसा था। उनसे पूछें कि क्या उन्हें काम में कोई समस्याएं हैं, क्या वे अपना नौकरी बदलने का सोच रहे हैं। शायद आपका कुछ कहने से ही उन्हें बाहर निकलने में मदद हो।

रात तक करने दें काम

यदि उन्हें रात तक काम करना हो, तो उन्हें काम करने दें। इसका उनके करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक हो सकता है। आपको कुछ कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए। उदाहरण के लिए, उनके खाने की आदतों पर ध्यान दें। रात तक बैठकर होने वाली थकान को दूर करने के लिए, उन्हें चाय, कॉफ़ी दें। आप उनके पास बैठकर अपना काम कर सकती हैं, लेकिन सोने की कोशिश न करें। उन्हें पहले सोने का इंतजार करें। इस तरीके से आप उनके तनाव को कम करने में मदद कर सकती हैं।

समस्या को ठीक करने की कोशिश

पहले समस्याएं समझने का प्रयास करें। इसके बाद, जल्दी से समाधान निकालने की बजाय, समस्या का समाधान पूरी तरह से ठीक करने की कोशिश करें। यह न केवल समस्या को हल करेगा, बल्कि आप उनके विश्वास को भी जीत सकेंगे और सच्चे साथी की भूमिका निभा सकेंगे।

ड्राई फ्रूट सेहत के लिए फायदेमंद होता है यह बात किसी से छिपी नहीं है लेकिन आज हम किशमिश के पानी के बारे में बात करेंगे। कई हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि खाली पेट किशमिश के पानी पीने से शरीर को कई सारे फायदे मिलते हैं। साथ ही किशमिश का पानी अगर आप रोजाना पीते हैं तो आपको कई छोटी-मोटी बीमारियों से छुटकारा भी मिल जाएगा.

सुबह खाली पेट किशमिश का पानी पीने के फायदे

से छुटकारा भी मिल जाएगा। अगर किसी व्यक्ति को पेट में कब्ज की शिकायत तो उसे जरूर खाली पेट किशमिश का पानी पीना चाहिए। इससे एसिडिटी और थकान मिट जाती है। किशमिश का पानी सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। पेट से जुड़ी तकलीफों से निजात पाना है तो हर दिन किशमिश का पानी पीना शुरू करें।

किशमिश के पानी में होते हैं यह पोषण

अंगूर से सुखाकर बनाए गए इस ड्राई फ्रूट जिसे हम किशमिश कहते हैं उसमें आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होती है। जो सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। हेल्दी लाइफस्टाइल और फिटनेस फ्रिक हैं तो आप एक हफ्ते तक इस ट्रिक को आजमाएं। आपको शरीर पर इसका असर तुरंत दिखने लगेगा। भिगोए हुए किशमिश को आप सुबह खाएं या उसका पानी पिएं इससे आपको कई सारे फायदे मिलेंगे। ड्राई फ्रूट सेहत के लिए फायदेमंद होता है यह बात किसी से छिपी नहीं है,लेकिन आज हम किशमिश के पानी के बारे में बात करेंगे। कई हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि खाली पेट किशमिश के पानी पीने से शरीर को कई सारे फायदे मिलते हैं। साथ ही किशमिश का पानी अगर आप रोजाना पीते हैं तो आपको कई छोटी-मोटी बीमारियों

बैड कोलेस्ट्रॉल को करता है कंट्रोल

बैड कोलेस्ट्रॉल को किशमिश का पानी कंट्रोल करता है। साथ ही ही कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी मेंटेन करता है। शरीर के ट्राइग्लिसराइड्स के लेवल को भी कंट्रोल करता है ताकि दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो सके।

ग्लोइंग त्वचा के लिए पिएं किशमिश का पानी

किशमिश के पानी में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है। खाली पेट रोजाना पीने से स्किन की झुर्रियां कम होने लगती है। साथ ही चेहरे पर निखार आता है। इसे रोजाना पीने मेटाबॉलिज्म भी मजबूत होता है। हीमोग्लोबिन जिन लोगों को खून की कमी होती है उन्हें भिगाए हुए किशमिश खाने के साथ-साथ इसका पानी भी पीना चाहिए। इससे शरीर में खून बढ़ता है।

आपको कितनी बार खाना बनाते समय हल्का जलना या बाहरी गतिविधि के दौरान घुटनों में खरोंच का सामना करना पड़ा है? शायद बहुत बार। त्वचा को प्रभावित करने वाली किसी भी छोटी चोट, जैसे कट या खरोंच या जलने के लिए, आपको अस्पताल जाने की ज़रूरत नहीं है। यह सच है कि ऐसी चोटें आपके व्यस्त समय में बाधा बन सकती हैं और आपके रुटीन को डिस्टर्ब कर सकती हैं। इसलिए आपको उन घरेलू उपायों के बारे में पता होना चाहिए, जो छोटी-मोटी चोटों पर उपचार के लिए इस्तेमाल किए जाते रहे हैं। बचपन में जब हमें चोट लगा करती थी, तो दादी, नानी या हमारी मम्मी कई तरह के उपक्रम किया करती थीं।

जैसे चोट लगने पर पानी से धोना, फूंक मारना, डिटॉल से साफ करना और भी बहुत कुछ। इन छोटी चोटों के लिए डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होती है। इनका उपचार घर पर भी बहुत आराम से किया जा सकता है। चोट लगने पर हम उसे घर पर ही कैसे ठीक कर सकते है इसके बारे में कुछ घरेलू नुस्खे बताए।

चोट लगने पर घरेलू उपचार

गिरने या छिलने पर लगाएं हल्दी

हल्दी अपने उपचार गुणों के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। इसके एंटीबायोटिक, सूजन-रोधी और एंटीसेप्टिक गुण हैं। इसके जीवाणुरोधी गुण हानिकारक बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकते है और घाव भरने में मदद करते है। हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक के रूप में काम करती है। कटे और घावों पर हल्दी लगाने से बैक्टीरिया कम होते है और उपचार में तेजी लाई जा सकती है।

घाव को कर सकते हैं शहद से साफ

शहद को वैसे तो हम सभी खाने के रूप में इस्तेमाल करते हैं,लेकिन इसके कई और लाभ भी है। कई लोग इसे स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं। इसके कई गुणों के कारण इसका इस्तेमाल चोटों को ठीक करने के लिए भी किया जाता है। इसमें प्राकृतिक हाइड्रोजन पेरोक्साइड होता है, जो बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। चोटों पर लगाने से शहद हाइड्रोजन पेरोक्साइड छोड़ता है, जो घाव को साफ और बैक्टीरिया को कम करने में मदद करता है। शहद को सबसे पहले रूई पर लगाएं, इसके बाद रूई को अपनी चोट वाली त्वचा पर लगाएं। यह सीधे त्वचा पर लगाने पर शहद की गंदगी को कम करने में मदद करता है।

एलोवेरा जेल है घाव का ठंडक भरा उपचार

एलोवेरा में जीवाणुरोधी, रोगाणुरोधी, सूजन-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों पाए जाते है। इसके सूदिंग गुण स्किन से जलन को खत्म करने का काम करते है। इससे स्किन को एक ठंडक मिलती है। खुली चोट पर कुछ दिनों तक एलोवेरा जेल लगाने से घाव पूरी तरह ठीक हो जाता है। एलोवेरा जेल में फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं,जो चोटी के दर्द को कम करने और स्किन से सूजन को दूर करने में मदद करता है। चोट को ठीक करने के लिए उस पर एलोवेरा जेल लगाएं और सूखने के बाद धो दें।

सिंटेक्स ने WPL 2026 में प्रीमियर पार्टनर के रूप में अपने 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया

मुंबई: वेलस्पन वर्ल्ड समूह की कंपनी और विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) 2026 की प्रीमियर पार्टनर, सिंटेक्स BAPL, क्रिकेट प्रशंसकों से जुड़ने के लिए मैदान और प्रसारण से जुड़ी कई खास गतिविधियों की तैयारी कर रही है। इन गतिविधियों के जरिए ब्रांड के भरोसे और विश्वसनीयता के 50 साल के सफर का जश्न मनाया जाएगा। भारतीय घरों में अपनी मौजूदगी के पांच दशक पूरे कर रही सिंटेक्स का WPL से जुड़ाव विकास और प्रगति की साझा कहानी को दर्शाता है। जिस तरह महिला क्रिकेट ने हाशिये से निकलकर मुख्यधारा में अपनी जगह बनाई है, उसी तरह सिंटेक्स की यात्रा भी निरंतरता, नवाचार और ऐसे समाधान तैयार करने पर आधारित रही है, जो देशभर के परिवारों की सुरक्षा और जरूरतों को पूरा करते हैं। इन गतिविधियों पर टिप्पणी करते हुए वेलस्पन BAPL के मैनेजिंग डायरेक्टर और सिंटेक्स के डायरेक्टर यशोवर्धन अग्रवाल ने कहा, सिंटेक्स के 50 साल पूरे होने पर हम चाहते थे कि WPL में हमारी मौजूदगी सिर्फ दिखावे तक सीमित न रहे, बल्कि ऐसे पल बनाए जाएं जिनसे प्रशंसक सच में जुड़ सकें और जिन्हें वे याद रखें। भारत में क्रिकेट लोगों को जोड़ने की एक खास ताकत रखता है। महिला क्रिकेट और समावेशिता का उत्सव मनाते हुए, लीग की व्यापक पहुंच का लाभ उठाकर और क्रिकेट के प्रति साझा प्रेम के जरिए हम उन मूल्यों को सम्मान देना चाहते हैं जिन्होंने पिछले पांच दशकों में हमारी पहचान बनाई है—निरंतरता, मजबूती और भरोसा। सिंटेक्स की WPL 2026 में भागीदारी की बुनियाद खुद खेल के साथ गहरे रचनात्मक जुड़ाव पर टिकी है। हर मैच के दौरान जब पहली टीम 50 रन पूरे करेगी, उस पल को विशेष कमेंटेटर संकेत और ब्रांड इंटीग्रेशन के जरिए दर्शाया जाएगा। यह क्रिकेट की एक अहम उपलब्धि को सिंटेक्स की 50 साल की विरासत से प्रतीकात्मक रूप से जोड़ेगा।

गैलेक्सी बुक6 नई स्लीक डिजाइन में लेकर आया एआई-पावर्ड प्रोडक्टिविटी और एडवांस्ड परफॉर्मेंस

नई दिल्ली- सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज सीईएस 2026 के दौरान गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा, गैलेक्सी बुक6 प्रो और गैलेक्सी बुक6 को पेश किया। अब तक की सबसे एडवांस्ड गैलेक्सी बुक सीरीज, ये डिवाइसेस मजबूत परफॉर्मेंस देती हैं जो एक परफेक्ट तरीके से बैलेंस्ड स्लिम प्रोफाइल में सटीक निर्माण के साथ एआई-पावर्ड प्रोडक्टिविटी को बेहतर बनाती हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रेसिडेंट, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) और आरएंडडी ऑफिस, मोबाइल एक्सपीरियंस (एमएक्स) बिजनेस के हेड वॉन-जून चोई ने कहा सैमसंग में, हमारा मानना है कि सच्चा इनोवेशन फंडामेंटल्स को सही करने से शुरू होता है। परफॉर्मेंस पीसी एक्सपीरियंस को परिभाषित करती है। गैलेक्सी बुक6 सीरीज के साथ, हम असाधारण स्पीड और पावर को डिपेंडेबल एआई के साथ जोड़ते हैं, ताकि यूजर्स सैमसंग से जिस बेजोड़ प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी क्षमता की उम्मीद करते हैं, उन्हें वह प्रदान की जा सके।

बेजोड़ परफॉर्मेंस के लिए निर्मित- आधुनिक हार्डवेयर को शानदार विजुअल्स और ऑडियो के साथ स्लिम और पोर्टेबल डिज़ाइन में पेयर करके, गैलेक्सी बुक6 सीरीज सैमसंग की अब तक की सबसे एडवांस्ड पीसी परफॉर्मेंस प्रदान करती है। इंटेल0 कोर™ अल्ट्रा सीरीज 3 प्रोसेसर्स द्वारा पावर्ड — इंटेल 18A पर बने पहले क्लाइंट सिस्टम-ऑन- चिप्स (SoCs) — गैलेक्सी बुक6 एफिशिएंट, हाई-स्पीड CPU, GPU और NPU1 परफॉर्मेंस देता है, जो बेहद तेज प्रोसेसिंग, सुचारू मल्टीटास्किंग और अधिक रेस्पॉन्सिव एआई को इनेबल करता है। नवीनतम NVIDIA® GeForce RTX™ 5070/5060 लैपटॉप GPU के साथ, गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा हाई-स्पीड AI इमेज जेनरेशन, सुपर-स्मूद वीडियो प्लेबैक और एडिटिंग तथा बेहद शानदार गेमिंग के साथ नए स्तर की रचनात्मकता एवं मनोरंजन अनुभव लेकर आता है। परफॉर्मेंस को बढ़ाने के लिए, पावरफुल हार्डवेयर को एक समान रूप से एडवांस्ड थर्मल सिस्टम द्वारा सपोर्ट किया जाना चाहिए।

रियलमी 16 प्रो सीरीज़ का अनावरण: 200मेगापिक्सल ल्यूमाकलर पोर्ट्रेट मास्टर के साथ पाएं मास्टर डिज़ाइन और शक्तिशाली परफॉर्मेंस

नई दिल्ली- भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज रियलमी 16 प्रो सीरीज़ पेश की। इस सीरीज़ के साथ ही प्रीमियम मिड-रेंज सेगमेंट में कंपनी की स्थिति मजबूत हुई है। फ्लैगशिप ग्रेड के रियलमी 16 प्रो+ और किफायती ऑल-राउंडर, रियलमी 16 प्रो के साथ यह सीरीज़ परफॉर्मेंस और डिज़ाईन के नए मानक स्थापित कर रही है। इसमें पोर्ट्रेट इमेजिंग का स्तर बहुत अधिक बढ़ा दिया गया है।

200 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट मास्टर करता है हर वाईब को सबसे बेहतर कैप्चर: रियलमी 16 प्रो सीरीज़ प्रीमियम मिड-रेंज सेगमेंट में 200 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट मास्टर है, जो फ्लैगशिप लेवल के इमेजिंग हार्डवेयर के साथ इंटैलिजेंट सॉफ्टवेयर पेश करता है, जिससे पोर्ट्रेट फोटोग्राफी अत्यधिक शानदार हो गई है। ये दोनों मॉडल प्रोफेशनल टूल्स पेश करते हैं, जो हर मूड और हर क्षण को बिल्कुल सटीकता से कैप्चर करते हैं। फ्लैगशिप लेवल का रियलमी 16 प्रो+ एक्सक्लुसिव अपग्रेड्स के साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति को बहुत अधिक बढ़ा देता है। रियलमी 16 प्रो+ ने अपने सेगमेंट के एकमात्र 200 मेगापिक्सल ल्युमाकलर कैमरा और 3.5एक्स पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस के साथ नया मानक स्थापित कर दिया है। यह यूज़र्स को ''हर ज़ूम में अपनी वाईब को स्नैप'' करने में समर्थ बनाता है। यह टीयूवी-रीनलैंड सर्टिफाईड कैमरा पोर्ट्रेट के लिए प्राकृतिक स्किन टोन, बेहतरीन गहराई और वातावरणीय प्रकाश प्रदान करता है।

अमेरिका की कंपनी ने भारत से एक्सपोर्ट कर दिए 50 अरब के स्मार्टफोन

● एक स्कीम ने पलट दिया गेम ● दिसंबर 2025 तक 50 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल ने भारत में अपने वेंडर्स के जरिए दिसंबर 2025 तक 50 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात किया है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक ये आंकड़े फाइनेंशियल ईयर 2021-22 के बाद के हैं जब ऐपल स्मार्टफोन उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना में शामिल हुई।

यह निर्यात का आंकड़ा और भी बढ़ेगा क्योंकि पांच साल की पीएलआई योजना की अवधि में अभी तीन महीने बाकी हैं। ऐपल मार्केट कैप के लिहाज से एनवीडिया के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है।

एक अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में ही ऐपल ने लगभग 16 अरब डॉलर का निर्यात किया है। इससे पीएलआई अवधि के दौरान आईफोन का कुल निर्यात 50 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। ऐपल के बड़े वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों में से एक सैमसंग ने भी पांच साल में लगभग 17 अरब

डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात किया। इस बारे में ऐपल और सैमसंग से पीएलआई योजना के तहत निर्यात के आंकड़ों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

फिलहाल, भारत में आईफोन की पांच फैक्ट्रियां हैं। इनमें से तीन टाटा चलाती हैं और दो फॉक्सकॉन। ये फैक्ट्रियां लगभग 45 कंपनियों की सप्लाई चेन का आधार हैं जिनमें कई छोटे और मध्यम उद्योग भी शामिल हैं। ये कंपनियां ऐपल के घरेलू और वैश्विक सप्लाई चेन के लिए पुर्जे बनाती हैं। आईफोन के निर्यात की वजह से स्मार्टफोन भारत की सबसे बड़ी निर्यात वस्तु बन गया है। 2015 में यह 167वें स्थान पर था। कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में ऐपल की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत है। बताया कि उद्योग के साथ मिलकर एक ऐसी योजना बनाई जाएगी जो विनिर्माण को बढ़ावा देने वाले प्रोत्साहन प्रदान करेगी। एक अधिकारी ने कहा, हम मानते हैं कि चीन और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में भारतीय निर्माताओं को अभी भी कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और हम उद्योग को समर्थन देना जारी रखेंगे।

मॉडर्न कैपिटलिजम की हमेशा सत्ता ने मदद की

● व्यापारियों का नेटवर्क ● इतिहास पर नजर डालना दिलचस्प होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। आज जब पारंपरिक पूंजीवाद (कैपिटलिजम) के खत्म होने के दावे किए जा रहे हैं। ग्रीस के अर्थशास्त्री, राजनेता और पूर्व वित्त मंत्री रहे यानिस वरौफाकिस जैसे एक्सपर्ट्स टेक्नोफ्यूडलिजम के दौर की बात कर रहे हैं, ऐसे में इसके इतिहास पर नजर डालना दिलचस्प होगा।

एक वैश्विक इतिहास में स्वेन बेकर्ट रीडर्स को इसी रोमांचक यात्रा पर ले जाते हैं। वह लिखते हैं कि किस तरह कैपिटलिजम व्यापारियों के नेटवर्क से शुरू हुआ और समूची दुनिया में फैलता गया। इसे किस तरह से सत्ता का संरक्षण मिला। बंधुआ-जबरिया मजदूरी से कैसे इसका विस्तार हुआ। फिर किस तरह से औद्योगिक क्रांति ने इसकी रफ्तार कई गुना तेज कर दी।

स्वेन की किताब की अच्छी बात है कि यह कैपिटलिजम के अच्छे-खराब पहलुओं से वाकिफ कराती है। वह बताते हैं कि दुनिया में कई पॉजिटिव बदलाव को इसने जन्म दिया, लेकिन यह हिंसा और आर्थिक असमानता का जरिया भी बना। स्वेन पूंजीवाद की गलतफहमियों को भी दूर करते हैं। वह लिखते हैं कि इसमें नैचरल मार्केट की जो तस्वीर पेश की जाती है, वह किस तरह से झूठी है।

स्वेन दावा करते हैं कि असल में कैपिटलिजम एक पॉलिटिकल प्रॉजेक्ट रहा है, जिसने समूची दुनिया को बदला है।

इस किताब में एक सदी की कहानी बयां की गई है। इसकी शुरुआत प्राचीन व्यापारिक समुदायों से होती है, जो काहिरा, मध्य एशिया और चीन के व्यापारिक शहरों में बसे हुए थे। फिर मध्ययुग ने इसमें जो भूमिका निभाई, उसका भी जिक्र है। किताब के आखिर में स्वेन ने 21वीं सदी के ग्लोबल ब्रैंड्स की बात की है और सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया है।

स्वेन लिखते हैं कि कैपिटलिजम का जन्म एक जगह नहीं हुआ। इसने दूरदराज के व्यापारिक केंद्रों, उपनिवेशों और प्लांटेशंस में अपना रूप गढ़ा। वह बताते हैं कि कैसे पूंजी के जाल ने इन सबको जोड़ा। शुरुआती मर्चेंट कैपिटलिजम और फाइनैंशल इनोवेशन के बारे में वह लिखते हैं कि किस तरह से बंधुआ-जबरिया मजदूरी की प्लांटेशन इकॉनमी (जैसे, कैरेबियाई द्वीप समूह के कई देशों, मॉरीशस, फिजी आदि) में भूमिका रही । साम्राज्यों के दौर ने कैपिटलिजम को किस तरह से प्रभावित किया। आज के पूंजीवाद को वह मैनेज्ड (प्रबंधित) बताते हैं। वह लिखते हैं कि आज हम कैपिटलिजम का स्वर्णयुग देख रहे हैं। उन्होंने पूंजीवाद के अलग-अलग चरणों को समझाने के लिए कई उदाहरण भी किताब में दिए हैं। इसमें कैरेबियाई देशों के उन द्वीपों के बारे में बताया गया है, जहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती कर चीनी बनाई जाने लगी । इसमें अमेरिका के डेट्रॉयट (ऑटो इंडस्ट्री के लिए कभी मशहूर रहे) के फैक्ट्री फ्लोर्स का भी जिक्र है । दक्षिणपूर्व एशिया में आज जो गारमेंट बिजनेस चल रहा है, उसका उदाहरण भी मिलता है। स्वेन लिखते हैं कि मॉडर्न कैपिटलिजम की हमेशा सत्ता ने मदद की है, भले ही उसका रूप लोकतांत्रिक हो या निरंकुश।

ट्रैवल इंश्योरेंस: अब मजबूरी नहीं जरूरी, लागत 1 प्रतिशत से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल हाल ही में छुट्टियां मनाने पेरिस गए थे। सब कुछ परफेक्ट था। लेकिन अचानक राहुल के पेट में तेज दर्द उठा। पास के अस्पताल में जाने पर पता चला कि अपेंडिक्स का अटैक पड़ा है और तुरंत सर्जरी करनी होगी। सर्जरी होने के बाद जैसे ही अस्पताल का बिल हाथ में आया, राहुल के पैरों तले जमीन खिसक गई। बिल था 25,000 डॉलर। जिस ट्रिप का कुल बजट था पांच लाख रुपये, वहां सिर्फ एक रात के अस्पताल खर्च ने जिंदगी भर की जमा-पूंजी हजम कर ली। यह कोई डरावनी कहानी नहीं है, बल्कि उन हजारों भारतीय मुसाफिरों की हकीकत है, जो ट्रैवल इंश्योरेंस को केवल वीजा की रस्म समझते हैं।

विदेश में मेडिकल इमरजेंसी आपकी सबसे बड़ी वित्तीय दुश्मन है। पॉलिसीबाजार के आंकड़े बताते हैं कि अब लोग सिर्फ 1,000-2,000 रुपये बचाने के लिए अपनी पूरी ट्रिप दांव पर नहीं लगाना चाहते। यही कारण है कि पिछले साल ट्रैवल इंश्योरेंस की मांग में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। जीएसटी में कटौती के बाद से ट्रैवल इंश्योरेंस 18 से 20 प्रतिशत सस्ता भी हुआ है।

अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में इलाज का खर्च भारत से 10 से 20 गुना ज्यादा है। वहां 500,000 डॉलर का कवर अब लग्जरी नहीं, बल्कि न्यू नॉर्मल बन गया है।

जर्मनी और फ्रांस जैसे 35 से ज्यादा देशों में बिना बीमा के प्रवेश मुमकिन नहीं। शेंगेन देशों में तो कम से कम 30,000 यूरो का कवर होना जरूरी होता है। ट्रैवल इंश्योरेंस सिर्फ अस्पताल के लिए नहीं होता। अगर आपका पासपोर्ट खो जाए, कनेक्टिंग फ्लाइट छूट जाए, या बैग चोरी हो जाए, तो परदेस में ये बीमा ही आपका सबसे बड़ा दोस्त साबित होता है।

नौकरी छोड़ डंक मारने वालों की दोस्ती ने बदली किस्मत

अब सालाना 65 लाख का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में जहां ज्यादातर लोग मोटी सैलरी वाली आईटी नौकरियों और कॉर्पोरेट लाइफ के पीछे भागते हैं। और अन्य उत्पादों के जरिए 65 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर भी हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां अमित गोडसे की सफलता के

वहीं, रायपुर में जन्मे और पुणे में बसे अमित गोडसे ने एक बिल्कुल अलग और जोखिम भरा रास्ता चुना। एक मैकेनिकल इंजीनियर और पूर्व सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल अमित की जिंदगी तब बदल गई जब उन्होंने अपनी हाउसिंग सोसाइटी में पेस्ट कंट्रोल से हजारों मधुमक्खियों को बेरहमी से मरते देखा। इस घटना ने उन्हें झकझोर कर रख दिया। उन्होंने महसूस किया कि इकोसिस्टम को बचाने के लिए इन नन्हे पॉलिनेटर्स का जीवित रहना कितना जरूरी है। 2016 में उन्होंने बी बास्केट की नींव रखी। आज अमित न केवल मधुमक्खियों को सुरक्षित ठिकानों पर शिफ्ट करते हैं, बल्कि शहद सफर के बारे में जानते हैं। अमित गोडसे एक सफल मैकेनिकल इंजीनियर थे। मुंबई की एक सॉफ्टवेयर कंपनी में 5 साल से काम कर रहे थे। पुणे स्थित उनकी सोसाइटी में एक विशाल मधुमक्खी के छत्ते को हटाने के लिए पेस्ट कंट्रोल कंपनी बुलाई गई। टीम के जाने के बाद अमित ने देखा कि फर्श पर सैकड़ों मृत मधुमक्खियां पड़ी थीं। इस दृश्य ने उन पर गहरा प्रभाव डाला। उन्हें एहसास हुआ कि हर कोई शहद तो चाहता है, लेकिन मधुमक्खियों को नहीं। इसी कड़वे सच और प्रकृति के प्रति अपने लगाव के कारण उन्होंने अपनी अच्छी-भली नौकरी छोड़ने का मुश्किल फैसला लिया।

गोल्डन वीजा की फीस जस की तस, तब भी भारतीयों को पड़ रहा है 51 लाख महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इन दिनों भारतीय बड़ी तेजी से दूसरे देशों की नागरिकता ले रहे हैं। केंद्र सरकार का आंकड़ा बताता है कि हर साल करीब दो लाख लोग भारत की नागरिकता त्याग रहे हैं। ऐसे में अब भारतीयों के लिए किसी देश का गोल्डन वीजा लेना और महंगा हो गया है। ऐसा नहीं है कि उन देशों ने गोल्डन वीजा की फीस बढ़ा दी है। हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीयों को महंगा पड़ने की वजह है भारतीय रुपया का डॉलर या अन्य विदेशी करेंसी के मुकाबले कमजोर पड़ना।

उदाहरण के लिए साइप्रस के गोल्डन वीजा को ही लीजिए। साल 2025 की शुरुआत में एक भारतीय निवेशक को करीब 2.66 करोड़ रुपये में यह पड़ रहा था। इस सयम इसके लिए लगभग 3.17 करोड़ रुपये चुकाना पड़ेगा। ऐसा इसलिए नहीं है कि प्रोग्राम महंगा हो गया है, बल्कि रुपये के कमजोर होने की वजह से यह 51 लाख रुपये का उछाल आया है।

यह कहानी सिर्फ साइप्रस की नहीं है। ग्रीस को देखिए तो वहां के गोल्डन वीजा की फीस 250,000 यूरो है। अब यह भी एक साल में 42 लाख रुपये महंगा हो गया है। माल्टा का प्रोग्राम 59 लाख रुपये और महंगा हो गया है। यूरोप के बाहर भी यही हाल है। न्यूजीलैंड का बिजनेस इन्वेस्टर

वर्क वीजा 42 लाख रुपये, अमेरिका का श्वक्र5 वीजा 33 लाख रुपये और सिंगापुर का ग्लोबल इन्वेस्टर प्रोग्राम एक साल में 7.2 करोड़ रुपये से ज्यादा महंगा हो गया है। ये छोटे-मोटे बदलाव नहीं हैं, बल्कि ऐसे बड़े बदलाव हैं जो कई भारतीय परिवारों के लिए इन योजनाओं को मुश्किल बना सकते हैं।

यह तो शुरुआती झटका है। इसके ऊपर अलग से खर्चे भी होते हैं जो विदेशी करेंसी में ही चुकाने होते हैं। ग्रीस वीजा के आवेदकों को आमतौर पर वीजा शुल्क के अलावा 50,000 यूरो के अतिरिक्त खर्चे आते हैं। साइप्रस प्रॉपर्टी में निवेश पर 15 प्रतिशत वैल्यू एडेड टैक्स लगाता है। माल्टा एडमिनिस्ट्रेटिव और प्रोफेशनल फीस के तौर पर 60,000 यूरो तक वसूलता है। जब साल की शुरुआत में रुपया डॉलर के मुकाबले 85 के आसपास था और दिसंबर तक 91 पर पहुंच गया। किसी विदेश जाने वाले भारतीयों के लिए तो ये सारे अतिरिक्त खर्चे हैं। जिससे कुल लागत बजट से कहीं ज्यादा हो गई।

सिस्टमैटिक्स प्राइवेट वेल्थ के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ भास्कर हाजरा ने हमारे सहयोगी ईटी को बताया, भारतीय आवेदक करेंसी के जोखिम के प्रति संवेदनशील हैं क्योंकि ज्यादातर दूसरे देशों की नागरिकता या गोल्डन वीजा प्रोग्राम यूरो या अमेरिकी डॉलर जैसी विदेशी मुद्राओं में तय होते हैं। उन्होंने बताया कि विनिमय दरों में मामूली उतार-चढ़ाव भी रुपये की लागत में भारी वृद्धि कर सकता है। हाजरा बताते हैं कि इस साल रुपया 5 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुका है और डॉलर के मुकाबले 90 का आंकड़ा पार कर गया है, जिससे पता चलता है कि लागत कितनी तेजी से बढ़ सकती है।

एंट्रस्ट फैमिली ऑफिस की सीईओ स्त्रीप्रिया एन.एस. सीधे शब्दों में कहती हैं, भारतीय बहुत ज्यादा जोखिम में हैं, और ज्यादातर को इसका एहसास तब होता है जब बिल आता है। उनका कहना है कि भारतीय परिवार रुपये में योजना बनाते हैं, लेकिन भुगतान विदेशी मुद्रा में करते हैं, और इसका कोई सीधा बचाव नहीं होता। स्त्रीप्रिया कहती हैं, नियम भी उन्हें विदेशी मुद्रा में होने वाले खर्चों को हेज करने से रोकते हैं। वह बताती हैं कि रुपये में 3-5 प्रतिशत का सामान्य उतार-चढ़ाव भी 250,000-क500,000 के प्रोग्राम में 15-30 लाख रुपये जोड़ सकता है। 2025 में नुकसान और भी बड़ा हुआ। 26 दिसंबर 2025 तक, डॉलर के मुकाबले 6.5 प्रतिशत और यूरो के मुकाबले 20 प्रतिशत गिर गया था।

दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार वेनेजुएला के पास, अमेरिका की कार्रवाई से बाजार पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेनेजुएला को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ शब्दों में इशारा किया है कि पूरा मामला तेल से जुड़ा है। यह टिप्पणी उस घटनाक्रम के एक दिन बाद आई, जब अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी प प्रतिशती सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लिया।

कई महीनों तक धमकियों और दबाव की रणनीति के बाद अमेरिका ने शनिवार को वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई की और वामपंथी राष्ट्रपति निकोलस मादुरो औको सत्ता से बेदखल कर दिया। इस कार्रवाई के बाद मादुरो को न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन्हें ड्रग्स और हथियारों से जुड़े

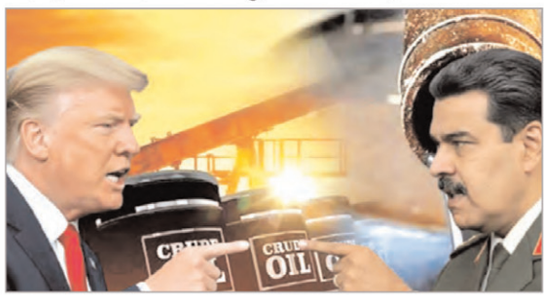

मामलों में मुकदमे का सामना करना होगा। इस अमेरिकी ऑपरेशन के साथ मादुरो के 12 साल लंबे शासन का अंत हो गया। मादुरो पर अमेरिका ने 5 करोड़ डॉलर का इनाम घोषित कर रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें मादुरो कैरेबियन सागर में तैनात एक अमेरिकी नौसैनिक जहाज पर हथकड़ी लगाए और आंखों पर पट्टी बंधे नजर आ रहे हैं। वेनेजुएला में हुए इन घटनाक्रमों ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है, इसका वैश्विक तेल बाजार पर क्या असर पड़ेगा दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल भंडार रखने वाले देश में राजनीतिक उथल-पुथल की खबरें आते ही निवेशकों की नजर आपूर्ति, निर्यात और कीमतों पर टिक गई है। वेनेजुएला के पास वैश्विक तेल भंडार का कुल पांचवा हिस्सा करीब 303 अरब बैरल कच्चे तेल का विशाल भंडार है, जो दुनिया के कुल तेल भंडार का लगभग पांचवां हिस्सा है। यह जानकारी अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के आंकड़ों पर आधारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतना बड़ा तेल भंडार देश के भविष्य की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। वेनेजुएला के पास विश्व के तेल भंडार के करीब 18 प्रतिशत हिस्सा है। लेकिन तकनीकी खामियों और वर्षों तक लिए गए गलत राजनीतिक व नीतिगत फैसलों के चलते वेनेजुएला अपने विशाल तेल भंडार का सिर्फ करीब एक प्रतिशत ही उत्पादन कर पा रहा है।

मुक्त व्यापार समझौतों में आयुष को मिली मान्यता

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आयुष को ओमान और न्यूजीलैंड के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में औपचारिक मान्यता मिल गई है। पिछले साल दिसंबर में अंतिम रूप दिए गए दोनों समझौतों में स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं और पारंपरिक चिकित्सा पर समर्पित परिशिष्ट शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों (आयुष) को भारत-ओमान सीईपीए और भारत-न्यूजीलैंड एफटीए सहित द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में औपचारिक मान्यता भी मिल चुकी है।

निर्यात को बढ़ावा देने के उपायों और व्यापार समझौतों में शामिल होने के कारण आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात में

6.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह 2023-24 में 64.92 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 68.88 करोड़ हो गया है।

आयुष उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए चार साल पहले आयुष निर्यात संवर्द्धन परिषद (आयुषएक्सिल) की स्थापना की गई थी। रविवार को परिषद की चौथी वर्षगांठ पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मंत्रालय ने यह बात कही। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि आयुषएक्सिल की स्थापना के बाद, यह वृद्धि और तेज हुई है, जो भारत की पारंपरिक दवाओं और हर्बल उत्पादों के लिए बेहतर वैश्विक पहुंच और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग को दिखाता है। बता दें कि यह परिषद आयुष मंत्रालय के साथ मिलकर काम करती है, और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के सहयोग से आयुर्वेद, योग और नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, होम्योपैथी और अन्य भारतीय पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों से संबंधित उत्पादों और सेवाओं के निर्यात की देखरेख करती है।

खबर-खास

एंबुलेंस की आड़ में गांजा तस्करी, 2 करोड़ 60 लाख का गांजा के साथ तीन अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है, यहां कोमाखान थाना क्षेत्र के टेमरी नाका पर पुलिस ने एंबुलेंस की आड़ में हो रही गांजा तस्करी का खुलासा किया है।

जांच के दौरान रोकी गई एंबुलेंस में पुलिस को गुप्त चैंबर मिला। जिसमें 5 क्विंटल 20 किलो गांजा छिपाकर रखा गया था। बरामद गांजे की कीमत करीब 2 करोड़ 60 लाख रुपये बताई जा रही है।

तलाशी में एंबुलेंस के भीतर फर्जी नंबर प्लेटें भी मिलीं। उड़ीसा पासिंग नंबर प्लेट जांच में फर्जी पाई गई। पुलिस ने महाराष्ट्र के तीन अंतर्राज्यीय तस्करों सागर बाघ, सुशील तावड़े और संजू अहीरे को गिरफ्तार किया है। तीनों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाईकर उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

संयंत्र के आवासों का नियमितीकरण करने की कार्यवाही भिलाई के साथ सहभागिता निभाएगा रिसाली

रिसाली (समय दर्शन)। 16 वर्ष पुराने भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा बनाए आवासों के नियमितीकरण के मामले में नगर पालिक निगम रिसाली और भिलाई निगम मिलकर नोटिस व अन्य कानूनी कार्यवाही पूर्ण करेंगे। इसके लिए रिसाली निगम लिखित में नगर पालिक निगम भिलाई को सहमति देगा। बुधवार को महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में हुई परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र विभिन्न क्षेत्र में आवासीय एवं व्यसायिक निर्माण किया है। इसके लिए किसी भी प्रकार की अनुमति संयंत्र ने नहीं ली थी। वर्तमान मे रिसाली निगम भिलाई से अलग हो चुका है। रिसाली निगम क्षेत्र में भी टाऊनशिप का क्षेत्र शामिल है। यही वजह है कि नियमितीकरण के लंबित मामले को पूर्ण कर प्रकरण को सेटलमेंट करने रिसाली भिलाई निगम का सहयोग करने का निर्णय लिया है। संपूर्ण कार्यवाही का नेतृत्व नगर पालिक निगम भिलाई करेगा। इसके लिए नगर पालिक निगम रिसाली के महापौर परिषद ने यह निर्णय लिया है। महापौर परिषद की बैठक में एमआईसी सदस्य जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, सनीर साहू, रोहित धनकर, रंजिता बेनुआ समेत आयुक्त मोनिका वर्मा कार्यपालन अभियंता सुनिल दुबे समेत अन्य विभाग प्रमुख मौजूद थे।

वार्ड-43 मुक्त नगर: महापौर ने नालों की सफाई परखी, लापरवाही पर जताई नाराजगी

दुर्ग (समय दर्शन)। महापौर अलका बाघमार ने आज लोक-कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चंद्रकार, वार्ड पार्षद दीपक साहू,अजय वर्मा तथा उप-अभियंता हरीशंकर साहू के साथ वार्ड क्रमांक 43 मुक्त नगर के नालों की साफ-सफाई का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने मुक्त नगर आंगनबाड़ी के पास स्थित नाले में बांस डालकर सिल्ट की गहराई परखी। जैसे ही सफाईकर्मी ने बांस डाला, यह स्पष्ट हो गया कि नाले की सफाई ठीक से नहीं कराई गई थी,नाले में लगभग एक फुट तक सिल्ट भरी पाई गई। इस लापरवाही पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार कर्मचारियों को सचेत किया।

वार्ड पार्षद दीपक साहू ने क्षेत्र में नाला जलभराव समस्या को रखते हुए जेल रोड और केंद्रीय विद्यालय जेल रोड नाला सफाई कार्य का मुद्दा उठाया। इस पर महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मालवीय नगर नाले से जोड़कर पानी की निकासी की बेहतर व्यवस्था बनाई जाए, ताकि बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या न रहे।

नाम परिवर्तन

मैं पुस्तम रौतीया (61 वर्ष) पिता श्री जगबन्धु जाति सतनामी निवास ग्राम बलोदा तह. सरायपाली जिला महासमुंद का निवासी हूं। मेरे द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा सरायपाली में खाता खुलवाया गया है जिसका पॉलिसी नंबर क्रमांक 386012459 है, जिसमें मेरा नाम **KUNDA ROUTIYA** दर्ज है, मेरे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा सरायपाली का खाता क्रमांक 2327726834 है, जिसमें मेरा नाम **PUSTAM RAUTIYA S/O JAGBANDHU RAUTIYA** दर्ज है, व मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम पुस्तम रोतीया **PUSTAM RAUTIYA** पिता जगबन्धु **JAGBANDHU** दर्ज है, एवं पैन कार्ड में मेरा नाम **PUSTAM RAUTIYA** पिता **JAGBANDHU RAUTIYA** जो कि सभी दस्तावेजों में दर्ज नाम मेरा ही नाम है।

यह कि भारतीय जीवन बीमा पॉलिसी, बैंक पासबुक, आधार कार्ड व पैन कार्ड में दर्ज नाम एक ही व्यक्ति मेरा नाम है, इस संबंध में मैं शपथपत्र प्रस्तुत करता हूं।

शपथकर्ता
पुस्तम रौतीया
निवासी
ग्राम बलोदा तह. सरायपाली
जिला महासमुंद

कवर्धा की बेटी रिया की उपलब्धि नई पीढ़ी के लिए बनेगी प्रेरणा- विजय शर्मा

साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली रिया तिवारी सम्मानित

कवर्धा (समय दर्शन)। बिहार की राजधानी पटना में 25 से 29 दिसंबर तक आयोजित साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस चैंपियनशिप में भारत की विजेता टीम का हिस्सा बनकर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाली कवर्धा की होनहार खिलाड़ी सुश्री रिया तिवारी का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, भूटान और श्रीलंका चार देशों की टीमों ने भाग लिया था। इस

अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि रिया तिवारी की यह उपलब्धि न केवल कवर्धा जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रिया ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रिया भविष्य में भी देश के लिए अनेक पदक जीतेंगी और प्रदेश की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकें। रिया ने कहा कि उनकी इस सफलता का पूरा श्रेय मेरे माता-पिता और मेरे कोच श्री अविनाश चौहान एवं श्री जय किशन को जाता है।

आयुक्त ने वार्ड 33 संतोषी पारा का किया सघन निरीक्षण

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-3 अंतर्गत अवैध ब्रेकर, सार्वजनिक नल, पाईप लाइन लिकेज, जर्जर दुकान सहित सार्वजनिक शौचालय का औचक निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा वार्ड पार्षद एन शैलजा के उपस्थिति में किया गया।

निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता द्वारा वार्ड 33 संतोषी पारा के चौंक-चैराहो पर बने अवैध ब्रेकर का जायजा लिये, सड़को के बीच से अवैध ब्रेकर को जल्द ही हटाने निर्देशित किये है। साथ ही वार्ड में पेयजल हेतु बिछाये गये पाईप लाइन का अवलोकन किये। सभी पाईप लाईन लिकेज की जांच कर जल्द से जल्द ठीक कराने कहा गया है। वार्ड में निर्मित ग्राउण्ड के भीतर निर्माणाधीन डोम शेड, फुटपाथ, बाउण्ड्रीवाल एवं समतलीकरण के कार्य का निरीक्षण किये। नागरिको एवं बच्चो की सुविधा को देखते हुए निर्माण कार्य शीध्र पूर्ण कराने कहा गया है। मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के तहत दुकानों का निर्माण किया गया है, जिसमें नागरिको द्वारा अवैध कब्जा कर निवास किया जा रहा है। आयुक्त ने नागरिको से चर्चा कर अनुरोध किये है कि जल्द ही कब्जा खाली कर प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास हेतु आवेदन जमा कर विस्थापन की प्रक्रिया कर लेवें। आयुक्त ने नागरिको की सुविधा के लिए बनाने गये सार्वजनिक शौचालय का अवलोकन किये। शहर के सभी सार्वजनिक शौचालय का शीध्र संधारण कराने निर्देशित किये हैं। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, अशोक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामड़ी यादव, सुपरवाइजर श्याम ठाकुर उपस्थित रहे।

भक्ति और भव्यता का संगम: विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने किया दिव्य श्री श्याम संकीर्तन एवं फागणोत्सव' पोस्टर का विमोचन

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के हाथों हुआ फागणोत्सव का शंखनाद, गूँजेंगे श्री श्याम के जयकारे

बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने श्री श्याम संकीर्तन प्रचार समिति के पोस्टर का किया अनावरण, समाज को दिया सद्भाव का संदेश

24 फरवरी को रायपुर में सजेगा श्री श्याम का भव्य दरबार, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने आयोजन को बताया सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी के आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक भक्तिमय बनाने के उद्देश्य से आगामी 24 फरवरी 2026 को 'श्री श्याम संकीर्तन प्रचार समिति' द्वारा एक भव्य 'दिव्य श्री श्याम संकीर्तन एवं फागणोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव की औपचारिक घोषणा और प्रचार-प्रसार हेतु कार्यक्रम के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन बसना विधायक एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. संपत अग्रवाल के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

पोस्टर विमोचन के दौरान विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने समिति के सदस्यों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि श्री श्याम की महिमा अपरंपार है। फागणोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और अटूट आस्था का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में न केवल भक्ति का संचार करते हैं, बल्कि आपसी भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा को भी बढ़ावा देते हैं।उन्होंने समिति के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। समिति के पदाधिकारियों ने विधायक डॉ. अग्रवाल को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 24 फरवरी को आयोजित होने वाले इस दिव्य संकीर्तन श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ संपन्न होगा, जिसमें श्याम भजनों, संकीर्तन एवं फाग महोत्सव के माध्यम से भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त होगी।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में समिति के सदस्य, श्यामप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कमला कॉलेज में वार्षिक खेल प्रतियोगिता संपन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के क्रीड़ा विभाग द्वारा दिनांक 05.01.2026 एवं 06.01.2026 को इंडोर एवं आउटडोर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इंडोर प्रतियोगिता के अंतर्गत टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम एवं शतरंज की प्रतियोगिता एवं आउटडोर प्रतियोगिता के अंतर्गत 100 मी. दौड़, गोली चम्मच दौड़, तीन तंगड़ी दौड़, रिले रेस, स्लो साईकिल रेस, गोला फेंक, चक्र फेंक, लंबी कूद एवं प्राचार्य इलेवन विरुद्ध छात्राओं के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया ने छात्राओं को शासन द्वारा दिए गए खेल सुविधाओं से अवगत कराया। साथ ही छात्राओं को अधिक से अधिक खेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया एवं छात्राओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहने हेतु खेलकूद में हिस्सा लेने एवं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु शुभकामनाएं दी।

इंडोर प्रतियोगिता का परिणामों में टेबल टेनिस में प्रथम भारती कंवर (बीएससी तृतीय वर्ष), द्वितीय दिव्या शर्मा (बीएससी तृतीय सेमे.), तृतीय योगिता (बीएससी तृतीय सेमे.), बैडमिंटन में प्रथम प्रीति तारम (बीएससी तृतीय वर्ष), द्वितीय माही तुलावी (बी.कॉम प्रथम सेमे.), तृतीय देविका साहू (बीएससी तृतीय वर्ष), कैरम में प्रथम देविका साहू (बीएससी तृतीय वर्ष), द्वितीय चन्द्रा बंजारे (बीएससी तृतीय सेमे.), तृतीय संजना साहू (बीएससी तृतीय वर्ष), शतरंज में प्रथम प्रज्ञा बाम्बेश्वर (बीए तृतीय सेमे.), द्वितीय रूचिका साहू (बीएससी प्रथम सेमे.), तृतीय दिव्या शर्मा (बीएससी तृतीय सेमे.), 100 मीटर दौड़ में प्रथम अंजली निपाद (बीएससी तृतीय वर्ष), द्वितीय मंजू धुर्वे (बीएससी प्रथम सेमे.), तृतीय धनेश्वरी (बीए तृतीय सेमे.), गोली चम्मच दौड़ में प्रथम अहिल्या (बीएससी प्रथम सेमे.), द्वितीय दिव्या शर्मा (बीएससी तृतीय सेमे.), तृतीय मिली कोरी (बीएससी तृतीय वर्ष), स्लो साईकल रेस सोना साहू (बीए प्रथम सेमे.), द्वितीय भारती साहू (बीए प्रथम सेमे.), तृतीय भारती कंवर (बीएससी तृतीय वर्ष), तीन तंगड़ी दौड़ में प्रथम वेदिका पाल (बीएससी प्रथम सेमे.) एवं ललिता (बीएससी प्रथम सेमे.), द्वितीय लोकेश्वरी (बीए तृतीय वर्ष) एवं पुनम यादव (बीएससी तृतीय वर्ष), तृतीय प्रिया पटेल (बीएससी तृतीय सेमे.) एवं अंजली निपाद (बीएससी तृतीय सेमे.), लंबी कूद में प्रथम कावेरी यादव (बीए प्रथम सेमे.), द्वितीय निलेश्वरी (बीएससी तृतीय सेमे.), तृतीय धनेश्वरी (बीए तृतीय सेमे.), गोला फेंक में प्रथम चांदनी (बीए तृतीय वर्ष), द्वितीय लोकेश्वरी (बीए तृतीय वर्ष), तृतीय कावेरी यादव (बीए प्रथम सेमे.), रिले रेस में प्रथम निकिता-सोना-भारती-कावेरी, द्वितीय लोकेश्वरी-अंजली-पूनम-प्रिया तृतीय जागृति-देविका-रोशनी-पिंकी, चक्र फेंक में प्रथम चांदनी घावड़े (बीए तृतीय वर्ष), द्वितीय रीना यादव (बीए तृतीय वर्ष) एवं तृतीय पूनम यादव (बीए तृतीय वर्ष) है।

सभी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य इलेवन एवं छात्राओं के बीच हुए रोमाचंक क्रिकेट मैच में प्राचार्य इलेवन की टीम विजयी रही।

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता में महाविद्यालय की डॉ. निवेदिता ए. लाल, डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव, डॉ. बसंत कुमार सोनबेर, आलोक कुमार जोशी, अमरनाथ निषाद, खिलेन्द्र सोनी एवं अन्य सहायक प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता, जनभागीदारी प्राध्यापक, स्ववित्तीय शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी। प्रतियोगिता के सफल संचालन में विशेष रूप से आलोक कुमार जोशी एवं समस्त सहायक प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता, ज.भा.शि., स्ववित्तीय शिक्षक एवं कर्मचारियों ने सहयोग किया।

महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीता एस. नायर ने प्रतियोगिता के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं कृषि विज्ञान केन्द्र में तकनीकी ज्ञान सीख रहे

कवर्धा (समय दर्शन)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के तहत संचालित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र के चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं को रेडी/रावे कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र में 05 जनवरी 2026 से 07 जनवरी 2026 तक संलग्न किया गया है। कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को उद्यानिकी, शस्य विज्ञान, कीट विज्ञान, रोग विज्ञान, वानिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी के नई तकनीक एवं केन्द्र में संचालित अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.पी. त्रिपाठी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख उद्देश्य एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा धान, दलहन, तिलहन एवं सब्जियों, फूलों के विभिन्न रोग, रोगकारक तथा उनके निदान के संबंध में छात्र-छात्राओं को बताया गया तथा कीट एवं रोग प्रबंधन के लिए किये जा रहे प्रक्षेत्र परीक्षण एवं अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के बारे में अवगत कराया गया।

विषय वस्तु विशेषज्ञ, उद्यानिकी, डॉ. एन.सी. बंजारा द्वारा फलदार पौधों में वानस्तिक प्रर्वधन विधि जैसे गुटी बांधना, कटिंग, बडिंग, ग्राफ्टिंग फलदार वृक्षों को रोग से बचाव के लिए बोर्डो पेस्ट बनाने की विधि, सब्जियों के बीज उत्पादन विधि, सब्जियों के नर्सरी बेड बनाने की विधि का जीवंत प्रदर्शन कराया गया तथा मशरूम उत्पादन की जानकारी दी गई। जिले में हो रहे व्यवसायिक सब्जी जैसे टमाटर, ग्राफ्टेड बैंगन, अरबी, प्याज एवं फल केला एवं पपीता की वैज्ञानिक तकनीक से खेती कर एक व्यवसाय के रूप में अपनाकर छात्र-छात्राएं अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

इजी. टी.एस. सोनवानी ने फसलों में उपयोग आने वाले नवीन मशीनों के उपयोग तथा रख रखाव की जानकारी दी। डॉ. बी.एस. परिहार, विषय वस्तु विशेषज्ञ, शस्य विज्ञान मे धान, दलहन, तिलहन की वैज्ञानिक शस्य क्रियाओं तथा केन्द्र में संचालित बीज उत्पादन कार्यक्रम, सीड हब योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सी.पी. रहांगडाले, विषय वस्तु विशेषज्ञ, वानिकी ने एग्रो वानिकी के विधियों की विस्तृत जानकारी दी। छात्र-छात्राओं को प्रक्षेत्र के समन्वित कृषि प्रणाली जैसे कुक्कुट पालन, डेयरी पालन, मछली सह बत्तख पालन, मातृ बगीचा एवं बीज उत्पादन इकाई का भ्रमण एवं उनकी जानकारी दी गई। रावे कार्यक्रम के तहत संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कवर्धा, के 70 छात्र-छात्राएं संलग्न हुए है।

परमात्मा को प्राप्त कर लेने के बाद संसार में कुछ भी पाना शेष नहीं रह जाता : पं. युवराज पांडे

राजनांदगांव (समय दर्शन)। खैरागढ़ रोड स्थित ग्राम पदुमतरा में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। सुबह से ही कथा पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा वातावरण हरि नाम के संकीर्तन, भजन-कीर्तन और जयघोष से भक्तिमय बना रहा। महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं बुजुर्गों की समान सहभागिता ने आयोजन को और भी भव्य और गरिमामय स्वरूप प्रदान किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय एवं छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित श्री युवराज पांडे जी ने श्रीमद् भागवत महापुराण की दिव्य महिमा का भावपूर्ण एवं विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा

कि जब मनुष्य परमात्मा को प्राप्त कर लेता है, तब संसार में कुछ भी प्राप्त करना शेष नहीं रह जाता। भगवान की भक्ति ही जीवन का परम लक्ष्य है, जो मनुष्य को जन्म-मरण के बंधन से मुक्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर करती है। कथा वाचक पं. युवराज पांडे ने बताया कि पूर्व दिवस में श्रद्धालुओं को सच्चिदानंद स्वरूप भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की पावन कथा का श्रवण कराया गया था, वहीं दूसरे दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर रुक्मणी विवाह तक के दिव्य प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के पश्चात वासुदेव जी योगमाया के प्रभाव से भगवान को लेकर गोकुल पहुंचते हैं और वहां से योगमाया को लेकर कंस के कारागार में प्रवेश करते हैं। इस दिव्य लीला के माध्यम से भगवान ने अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। पं. पांडे ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए तृणावर्त, शकटासुर, अघासुर, बकासुर जैसे असुरों के वध की कथाओं को अत्यंत रोचक और भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। साथ ही रुक्मणी विवाह के प्रसंग को समझाते हुए उन्होंने कहा कि यह विवाह केवल एक सामाजिक घटना नहीं, बल्कि भक्त और भगवान के मिलन का प्रतीक है, जिसमें प्रेम, श्रद्धा और समर्पण की पराकाष्ठा दिखाई देती है। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भजन-कीर्तन में झूमते नजर आए। आयोजन समिति द्वारा की गई उत्तम व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह का यह आयोजन पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना और भक्ति भाव का संचार कर रहा है। पंचम दिवस की कथा में हजारों श्रद्धालुओं के साथ-साथ कई दिग्गज नेता कथा श्रवण करने पहुंचे। कथा में श्री राम मंदिर ट्रस्ट समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू व समिति के आमंत्रण पर पंचम दिवस में 5 विधायक सहित कई दिग्गज नेता पहुंचे।

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ई कोर्ट नं. 202512082400049.ब/121 / वर्ष 2025-26 ग्राम- नाउडीह प.ह.नं. - 13

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम नाउडीह प.ह.नं.-07. रा.नि.मं. नेवारी तहसील कवर्धा को सूचित किया जाता है कि आवेदक भागवत चौहान आ. गोपाल चौहान निवासी ग्राम नाउडीह तहसील कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा ग्राम नाउडीह में अपने पुत्री सुशीला की जन्म दिनांक 10.03.1995 का जन्म-मृत्यु पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार / ग्राम पंचायत कवर्धा, जिला- कबीरधाम (छ. ग.) को जन्म - मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग. जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथ पत्र एवं विलम्बित जन्म-मृत्यु का पंजीयन किए जाने प्रस्तुत शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र (जिला योजना एवं सांख्यिकी) आधार कार्ड की फोटोप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 06.01.2026 को नियत किया गया है।

अत: आवेदक अपने पुत्री सुशीला आ0 भागवत चौहान के जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 23.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 23.12.2025
पेशी दिनांक- 06.01.2026

तहसीलदार
कवर्धा

मुहर

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ई कोर्ट नं. 262512080700058.ब/121 / वर्ष 2025-26 ग्राम- कवर्धा प.ह.नं. - 13

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम कवर्धा प.ह.नं.-13, रा.नि.मं. कवर्धा तहसील कवर्धा को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुर्गेश चौहान आ. दशरथ चौहान निवासी ग्राम कवर्धा तहसील कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा ग्राम कवर्धा में अपने स्वयं की जन्म दिनांक 26.10.1990 का जन्म-मृत्यु पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार / नगर पालिका परिषद कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) को जन्म - मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग. जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथ पत्र एवं विलम्बित जन्म-मृत्यु का पंजीयन किए जाने प्रस्तुत शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र (जिला योजना एवं सांख्यिकी) आधार कार्ड की फोटोप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं जिसकी सुनवाई दिनांक 05.01.2026 को नियत किया गया है।

अत: आवेदक अपने स्वयं के जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 22.12.2025
पेशी दिनांक- 05.01.2026

तहसीलदार
कवर्धा

मुहर

ग्राम मानपुर, जिला बेमेतरा ने सतत कृषि की दिशा में रचा नया उदाहरण

ग्रीष्मकालीन धान से वैकल्पिक फसलों की ओर ऐतिहासिक बदलाव

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला बेमेतरा के ग्राम मानपुर के किसानों ने इस वर्ष खेती के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय लेते हुए ग्रीष्मकालीन धान की खेती को छोड़कर दलहन, तिलहन एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाया है। यह परिवर्तन न केवल किसानों की सोच में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है, बल्कि जल संरक्षण, लागत में कमी एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। पिछले वर्ष ग्राम मानपुर में लगभग 100 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन धान की खेती की गई थी, जिसमें अत्यधिक मात्रा में पानी, बिजली और कृषि लागत की आवश्यकता होती थी। गिरते भू-जल स्तर, बढ़ती सिंचाई लागत तथा जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष किसानों ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में धान के स्थान पर चना, गेहूँ, सरसों एवं अन्य कम पानी वाली फसलों की खेती का निर्णय लिया।

ग्रीष्मकालीन धान की तुलना में वैकल्पिक फसलों में 60 से 70 प्रतिशत तक कम पानी की आवश्यकता होती है। इससे न केवल जल संसाधनों का संरक्षण हुआ है, बल्कि किसानों के बिजली, सिंचाई, बीज एवं उर्वरक खर्च में भी उल्लेखनीय कमी आई है। कम लागत में खेती होने से किसानों को बेहतर शुद्ध लाभ मिलने की उम्मीद है।

मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

दलहनी फसलों की खेती से भूमि की उर्वरता बनाए रखने में सहायता मिलती है, क्योंकि ये फसलें प्राकृतिक रूप से मिट्टी में नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करती हैं। इससे दीर्घकाल में भूमि की उत्पादक क्षमता बढ़ेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होगी। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ग्राम मानपुर के किसानों का कहना है कि पहले ग्रीष्मकालीन धान की खेती परंपरा के कारण की जाती थी, लेकिन अब वे लाभकारी, टिकाऊ एवं संसाधन-संरक्षण आधारित खेती को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बदलाव से किसानों में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे भविष्य में भी वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

ग्राम मानपुर की यह पहल जिले के अन्य गांवों के लिए भी एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि सही मार्गदर्शन, जागरूकता और सामूहिक प्रयास से खेती को अधिक लाभकारी एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सकता है। ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन-तिलहन एवं वैकल्पिक फसलों को अपनाकर ग्राम मानपुर के किसानों ने सतत कृषि की दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है।

17 साल बाद पाटन में हुई ऐतिहासिक मड़ई मिलन समारोह, पत्रकारों और मितानिन दीदियों का किया सम्मान

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन में लगभग 17 साल बाद वार्षिक मंडई मिलन समारोह का आयोजन मंगलवार को ।किया गया। मंडाई मेला में काफी भीड़ रही। वही नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व उसकी पूरी टीम दिन भर मड़ाई स्थल पर डेट रहे। दोपहर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का दौर शुरू हुआ जो कि दूसरे दिन सुबह तक चलता था। रेस्ट हाउस के पीछे विशाल मैदान पर बड़े-बड़े एक से बढ़कर एक आधुनिक झूला जैसे ड्रेगन, ब्रेक डांस, जलपरी, डोरा डोरा सहित अन्य झूले का लोगो ने भरपूर आनंद लिया। वहीं अन्य व्यापारियों के लिए जगह की उपलब्धता करने आसपास के भी साफ-सफाई की गई थी। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था भी किया किया गया था जिससे कि गाड़ियों की व्यवस्थित तरीका से पार्किंग कराया गया। ।बता दे कि पिछले कुछ सालों से नगर पंचायत पाटन में वार्षिक मड़ाई मेला का कार्यक्रम नहीं हुआ है इसे फिर से अब अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन योगेश निक्की भाले ने पहल करते हुए मड़ई मेला का आयोजन किया। मंगलवार को अध्यक्ष योगेश निक्की भाले एवं उपाध्यक्ष निशा सोनी पार्षद केवल देवांगन और अन्य पार्षदों ने अधिकारियों, नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ मेला स्थल पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। । दोपहर में संजू साहू कृत रंग सरोवर तथा रात्रि कालीन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के लोक कला मंच चिन्हारी लोक मया का मंचन किया गया। सामरोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल, , भाजपा के प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा , भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कौशिक, दिलीप साहू, जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, जिला पंचायत सदस्य नीलम राजेश चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष रानी केशव बंछोर, सरपंच संघ के अध्यक्ष विनय चंद्राकर सहित सरपंचगण उपस्थित थे अतिथियों के द्वारा नगर के पत्रकारों सहित मितानिन दीदियों का सम्मान किया गया। स्वागत भाषण देते हुए नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा कि जब चुनाव लड़ने मैदान पर उतरे थे तब उन्होंने घोषणा पत्र में वार्षिक मंडी मिलन समारोह आयोजित करने का संकल्प भी लिया था आज अपने चुनावी वादा का पूरा करते हुए उन्होंने बड़ी मेला आयोजन कराया इसके अलावा नगर के पत्रकारों का एवं मितानिनों का भी सम्मान किया गया उन्होंने बताया कि पाटन नगर पंचायत क्षेत्र में सांस्कृतिक समागम देखने को इस मड़ाई मिलन कार्यक्रम में मिला। उन्होंने सभी अतिथियों का एवं मड़ाई मिलन में शामिल सभी नागरिकों का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सबका आभार भी जताया। अतिथियों ने भी योगेश निक्की भाले उनकी पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से लोगों में में मिलाप बना रहता है।

इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी चैंपियनशिप मे हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी ममता साहू

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले में हॉकी खेल के प्रतिभाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रही रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित नि:शुल्क हॉकी खेल प्रशिक्षण केंद्र, चिखली की नियमित खिलाड़ी ममता साहू का चयन ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी चैंपियनशिप के लिए हुआ है।

दिग्विजय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता, महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी अरुण चौधरी, छत्तीसगढ़ हॉकी एवं जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, जिला हॉकी संघ के सचिव शिवरीनारायण धकेता, महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र सिंह, क्रीड़ा अधिकारी पीके हरी, परेश वर्मा, अजय लांजेवार, रितु दुबे, यशवंत देशमुख, अनुराज श्रीवास्तव, प्रोफेसर हीरेंद्र बहादुर सिंह, रामू पाटिल, कोच किशोर धीवर, ऋषि मेश्राम ने ममता साहू की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव की छात्रा ममता साहू, इस प्रतियोगिता में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनका चयन राजनांदगांव के अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 29 दिसंबर को आयोजित ट्रायल तथा 1 से 4 जनवरी तक दुर्ग में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के उपरांत किया गया। ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन संबलपुर यूनिवर्सिटी, ओड़िशा द्वारा किया जा रहा है, जो 7 से 11 जनवरी 2026 तक संबलपुर (ओड़िशा) में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में देशभर की उत्कृष्ट विश्वविद्यालय टीमें भाग लेंगी। उल्लेखनीय है कि ममता साहू ने यह सफलता रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी के निशुल्क हॉकी प्रशिक्षण शिविर में प्राप्त सतत अभ्यास एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं स्वर्ण पदक विजेता एनआईएस हॉकी कोच मृणाल चौबे के कुशल मार्गदर्शन से अर्जित की है। यह प्रशिक्षण केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहा है।

चनाट सोसाइटी अध्यक्ष बने हेमचंद पटेल, भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत चनाट प्राथमिक कृषि सहकारी समिति मर्यादित (पंजीयन क्रमांक 866) के अध्यक्ष पद पर हेमचंद पटेल के चयन से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनके अध्यक्ष बनने पर भंवरपुर मंडल के अंतर्गत चनाट क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

हेमचंद पटेल लंबे समय से सहकारिता और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। उनके अनुभव और सक्रियता को देखते हुए समिति सदस्यों ने उन पर भरोसा जताते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा, पारदर्शी कार्यप्रणाली और समिति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही खाद, बीज और ऋण वितरण व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन और क्षेत्र के लिए सकारात्मक कदम बताते हुए कहा कि हेमचंद पटेल के नेतृत्व में समिति किसानों के लिए और अधिक उपयोगी सिद्ध होगी। बधाई देने वालों में मंडल पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल रहे। सभी ने उनके सफल कार्यकाल की कामना करते हुए क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई।

उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव में आई तेजी, 1,14,452.82 मे. टन धान का हो चुका है उठाव

दुर्ग (समय दर्शन)। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी और उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव में तेजी आई है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। जिसके तहत अब दिन-रात कभी भी मोबाईल एप तुंहर टोकन के माध्यम से किसानों को धान बेचने के लिए टोकन मिलने लगा है। किसानों के लिए यह बड़ी सहुलियत है कि उनके लिए तुंहर टोकन एप अब 24 घंटे उपलब्ध है।

अब मोबाईल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नही है। धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 82,486.97 लाख रूपए की लागत से 3,49,069.92 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 64437 किसान लाभान्वित हुए हैं। उपार्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगी है। जिससे अब दूसरे किसानों को धान बेचने का अवसर मिला है। उठाव हेतु 1,53,464.52 मे. टन धान का डीओ जारी हुआ है। अब तक उपार्जन केन्द्रों से 1,14,452.82 मे. टन धान का उठाव किया जा चुका है।

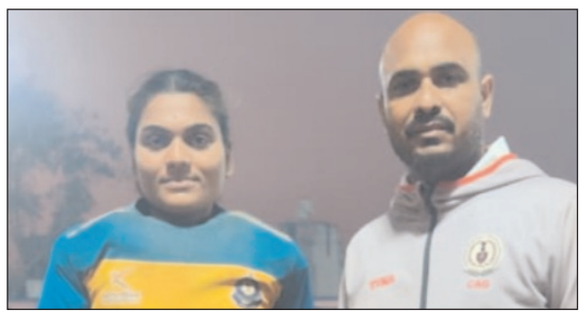

सरपंच संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मूलभूत की द्वितीय किश्त राशि जल्द जारी करने मांग रखी

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन के सरपंच संघ अध्यक्ष विनय चंद्राकर के नेतृत्व आज सरपंचों ने कलेक्टर को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ।छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतो में नव निर्वाचित सरपंच बने लगभग दस माह हो चुके है। समस्त ग्रामो की मुलभूत सुविधाओं एवं वैकल्पिक व्यवस्थाओं के लिए पंचायती राज व्यवस्था क्षीण हो चुकी है। चूंकि शासन एवं प्रशासन के द्वारा अभी तक किसी की राशि ग्राम पंचायत को उपलब्ध नहीं कराई गई है। अपितु आपके समक्ष संघ की 11 सूत्रीय मांग प्रस्तुत है।

मनरेगा में मजदूरी कार्य पुन: जारी किया जाए, जिससे पंचायतो का विकास किया जा सकें।।15 वें वित्त की वर्ष 2025-26 की राशि जारी किया जाए, जिससे पंचायतों का विकास किया जा सके। सरपंच का वर्तमान मानदेय जो कि 4000 रू है बहुत कम है। उसे बढ़ाकर 12000 किया जाए।

पंचायतो को मिलने वाली मूलभूत एवं 15 वें वित्त आयोग की राशि 2011 की जनगणना के अनुसार आवंटित होता है उसे वर्तमान जनसंख्या के अनुसार आबंटित किया जाए।।पूर्व में संचालित गौठान के सभी खातों की जानकारी सरपंचो को दिया जाए एवं शेष राशि पंचायतो के मूलभूत समस्याओं एवं विकास के लिए

जारी किया जाए एवं सरपंचो को इनकी राशि आहरण करने की अनुमति प्रदान किया जाए। गौण खनिज की राशि 2020-2021 तक की राशि प्राप्त हुआ है शेष वर्ष की राशि अविलंब प्रदान किया जाए। सरपंच निधि के रूप में प्रत्येक ग्राम पंचायतों को पांच लाख रूपये विकास हेतु प्रतिवर्ष प्रदान किया जाए।।15 वें वित्त में जिला स्तर 10 प्रतिशत, जनपद स्तर 15 प्रतिशत को हटाकर 100 प्रतिशत राशि ग्राम पंचायतो को प्रदाय किया जाए। पाटन ब्लाक के समस्त ग्राम पंचायतों में, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माण कार्यों में हो रहे अनियमितता में सुधार लाया जाएं। गांव में लगे सोलर संयंत्रों का मरम्मत तत्काल कराया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि बढ़ाकर शहरो की तर्ज पर 2,50,000 रु. किया जाए एवं हितग्राहियों की भूमि के आभाव पर प्रथम मंजील पर प्रधानमंत्री आवास निर्माण करने की अनुमति प्रदान की जाए।

मोबाइल मेडिकल यूनिट से 211 मरीजों को मिला इलाज, 96 जाँचें मौके पर ही की गईं

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज दिनांक 07 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत 4 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। ये शिविर वार्ड 25 ईएमए चौक ओम परिसर, वार्ड 03 मठपारा सारथी नगर, वार्ड 16 सिकोला बस्ती तथा वार्ड भवानी चौक में आयोजित हुए।

शिविरों में हितग्राहियों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य जाँच की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। जिनमें एचबीए1सी, हीमोग्लोबिन, ष्टक्चष्ट, शुगर, ब्लड ग्रुप, होमोसिस्टीन, थायराइड, लिवर-किडनी फंक्शन, यूरिक एसिड, विटामिन क्च-12 और ष्ठ-3, तथा क्रिएटिनिन जैसी जाँचें शामिल रहीं। शिविर के दौरान कुल 211 मरीजों को सेवाएँ प्रदान की गईं और कुल 96 जाँचें की गईं।

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना शहरी गरीबों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रही है। मोबाइल मेडिकल यूनिट में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट और लैब तकनीशियन की तैनाती रहती है, जिससे वहीं पर जाँच, परामर्श और नि:शुल्क दवाइयों का वितरण संभव हो पाता है। इससे लोगों को निजी क्लीनिकों के खर्च और दूर-दराज अस्पताल जाने की परेशानी से राहत मिली है।

योजना के माध्यम से विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और श्रमिक वर्ग को लाभ मिल रहा है। ब्लड प्रेशर, शुगर, एनीमिया जैसी समस्याओं की नियमित जाँच और उपचार से स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ रही है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि यह योजना उनके लिए बड़ी राहत साबित हो रही है, क्योंकि अब सरकार स्वयं उनके द्वार तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचा रही है।

प्रधान पाठक गफ्फार खान के प्रयास से ललितपुर विद्यालय में सतत हो रहा नेवता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन,प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व में नेवता भोज का 12 वी बार आयोजन किया गया।

उपस्थित अतिथियों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात उपस्थित समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में हीरालाल चौहान द्वारा स्वेच्छा से पीएम पोषण योजना अंतर्गत नेवता भोज का आयोजन आंशिक रूप से कराया गया।

इस मौके पर उनके सुपुत्री ट्विंकल कक्षा तीसरी और उनके सुपुत्र थमलेश कक्षा पहली उपस्थित थे नेवता भोज में जलेबी, मिक्चर,अमरूद, काजू बिस्किट,बेर,,चाकलेट, वितरित किया गया । नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने खुशी खुशी से लिया नेवता भोज देने के लिए संस्था प्रमुख ललितपुर गफ्फार खान ने हीरालाल चौहान जी को धन्यवाद दिया है इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा कि नेवता भोज से बच्चो के भोजन मूल्यों में वृद्धि हो रही है जिससे उनके शरीरिक और मानसिक विकास हो रहा है शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल ने कहा कि नेवता भोज से हमारे विद्यालय में सभी वर्गों में सामाजिक सहभागिता की भावना और बच्चों में समानता की भावना विकसित हो रही है। ग्राम पंचायत बी बनडबरी के पूर्वपंच महोदय कायतराम ने कहा हमारे विद्यालय में प्रत्येक माह कई बार नेवता भोज का आयोजन होना बहुत खुशी की बात है। हमसब विद्यालय विकास में सदा सहभागी रहेंगे आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल, शाला प्रबंधन समिति उपाध्यक्ष खेमकुमारी, कायतराम ,रतन, श्रीलाल,रत्थूराम, मोहरसाय, महेत्तरीन,बुधियारीन,भगवती, बुधवारा, इतवारीन,कांतिबाई, सुशीला, मायावती, रामेश्वरी, पिंकी,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रामवती आदि उपस्थित थे।

नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे , बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार ,जमदरहा संकुल के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। ललितपुर विद्यालय के प्रधान पाठक गफ्फार खान ने सभी का आभार व्यक्त किया है।

संक्षिप्त-खबर

तर्रा स्कूल में किया साइकिल वितरण

पाटन (समय दर्शन)। पुरनचंद शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल तर्रा में सरकार की महत्वपूर्ण योजना बालिका सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9 वीं की 22 पात्र बालिकाओं को सायकल वितरण किया गया है, इस कार्यक्रम में अमलेश्वर भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष रज्जू सोनी, सरपंच विपिन चंद्राकर, पूर्व सरपंच डॉ योगेश चंद्राकर, टेमन चंद्राकर, रामानंद, लक्ष्मण चंद्राकर एवं समिति के सदस्यगण, संस्था के प्राचार्य अजय शर्मा, एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

नाबालिक के साथ किया दुष्कर्म, अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने आरोपी की सुनाई 20 वर्ष की सजा, रानीतराई थाना क्षेत्र का मामला

पाटन (समय दर्शन)। रानीतराई थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिक को बहला फुसलाकर घुमाने ले जाना और पीड़िता के बिना सहमति के उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसकी थाना में रिपोर्ट होने के बाद पुलिस ने आरोपी साहेब राम उर्फगुलाब साहू को 20 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जिसके बाद सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश श्री दुलार सिंह निर्मलकर ने आरोपी पर दोष सिद्ध होने पर इसे 20 वर्ष की सश्रम सजा सुनाई और 5 हजार अर्थदंड की भी सजा सुनाई। जानकारी के मुताबिक पीड़िता स्कूल जाने के लिए बैग लेकर घर से निकली थी। जिसे आरोपी ने अपने मोटर साइकिल में बैठाकर धमतरी ले गया जहां पर पीड़िता के बिना सहमति से उसके साथ दुष्कर्म किया। इसी तरफपीड़िता को धमतरी से बैलाडीला ले जाते समय स्लीपर कोच के बस में भी पीड़िता के साथ जर्बदस्ती दुष्कर्म किया। अभियुक्त के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत के सजा सुनाई है। पीड़िता के पिता ने रानी तराई थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी ।शासन की तरफसे विशेष लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी की।

बसना पुलिस के हत्थे चढ़ा 15 लाख के गांजे के साथ कार सवार

बसना (समय दर्शन)। बसना थाना क्षेत्र के पलसापाली बेरियर के पास पुलिस ने कार से गांजा तस्करी करते युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकरी के अनुसार, 6 जनवरी को पलसापाली बेरियर में वाहन चेकिंग के दौरान सियाज कार आया। जिसे पुलिस द्वारा हाथ से रोकने का ईशारा करने पर चालक हड़बड़ाकर कर कार को मोड़ने का प्रयास कर करने लगा, जिसे घेराबंदी कर रोका गया। कार सवार आरोपी लकेश्वर यादव पिता राजकुमार यादव उम्र 30 वर्ष परतेवा थाना राजिम जिला गरियाबंद (छ0ग0) का निवासी था, जो गांजे की तस्करी कर रहा था। आरोपी के कब्जे से दो बोरियों में मिले 30 किलोग्राम गांजा कीमती 15,00,000 रूपये, घटना में प्रयुक्त सियाज कार क्रमांक कीमती 5,00,000 रूपये, एक नग विवो कम्पनी का मोबाईल कीमती 5000 रूपये जप्त किया गया। मामले में धारा 20(ख) नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध कायम किया गया है।

मनरेगा से जिले में 49,126 ग्रामीण मजदूरों को मिल रहा रोजगार

दुर्ग(समय दर्शन)। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत व्यापक स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले की 300 ग्राम पंचायतों में से 294 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के विभिन्न प्रकार के कार्य संचालित किए जा रहे हैं, जिनसे 49,126 ग्रामीण मजदूरों को रोजगार मिल रहा है। इन कार्यों के लिए कुल 1,642 मस्टर रोल जारी किए गए हैं। जिले के धमधा जनपद पंचायत क्षेत्र में मनरेगा के तहत सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। यहाँ 25,298 मजदूरों को रोजगार मिला है तथा 586 मस्टर रोल जारी किए गए हैं। धमधा क्षेत्र की 119 ग्राम पंचायतों में से 115 ग्राम पंचायतों में वर्तमान में कार्य चल रहे हैं। दूसरे स्थान पर जनपद पंचायत पाटन है, जहाँ 108 ग्राम पंचायतों में 14,997 मजदूरों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है और 564 मस्टर रोल जारी किए गए हैं। वहीं, जनपद पंचायत दुर्ग की 71 ग्राम पंचायतों में 8,831 मजदूरों को रोजगार मिला है, जिसके लिए 709 मस्टर रोल जारी किए गए हैं। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि मजदूरों की मांग के आधार पर गत वर्ष की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26